Dainik Samarat | जयपुर | सोमवार, 19 अक्टूबर, 2026 | अश्विन शुक्ल पक्ष अष्टमी विक्रम संवत - 2083 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | वर्ष : 2 | अंक : 42



दैनिक सम्राट

आप पढ़ रहे हैं निष्पक्ष, निर्भीक, निडर समाचार पत्र

www.dainiksamrat.in

दैनिक सम्राट में खबरें प्रकाशित करवाने के लिए वाट्सअप नं. पर खबरें भेंजे...
9460004756

नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की होती है पूजा

मां दुर्गाजी की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री हैं। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। नवरात्रि-पूजन के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस दिन शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए अगम्य नहीं रह जाता है। ब्रह्मांड पर पूर्ण विजय प्राप्त करने की सामर्थ्य उसमें आ जाती है।

मार्कण्डेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व- ये आठ सिद्धियां होती हैं। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली हैं। इनका वाहन सिंह है। ये कमल पुष्प पर भी आसीन होती हैं। इनकी दाहिनी तरफ के नीचे वाले हाथ में कमलपुष्प है। प्रत्येक मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह मां सिद्धिदात्री की कृपा प्राप्त करने का निरंतर प्रयत्न करें।

इनकी आराधना से जातक को अणिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, महिमा, ईशित्व, सर्वकामावसायिता, दूर श्रवण, परकामा प्रवेश, वाकसिद्ध, अमरत्व भावना सिद्धि आदि समस्त सिद्धियों नव निधियों की प्राप्ति होती है।

या देवी सर्वभूतेषु मां सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

न्यूज बॉक्स

मणिपुर में फिर से अशांति, 28 घर जलाए गए, 1 की मौत

दैनिक सम्राट

इंफाल। मणिपुर के कामजोंग जिले के एक पहाड़ी गांव में कुकी समुदाय के कम से कम 28 घरों में आग लगा दी गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इसके चलते बड़ी संख्या में नागरिकों को घर छोड़कर जंगलों और पास के सेना शिविर में शरण लेनी पड़ी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों ने शनिवार देर रात चस्साद गांव पर हमला किया और घरों में आग लगा दी।

इससे पहले दिन में संदिग्ध उग्रवादियों ने गांव पर हमला किया था, जिसमें एक कुकी नागरिक की मौत हो गई और चार अन्य को गोली लगी। पुलिस ने कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए असम राइफल्स, सीमा सुरक्षा बल और कामजोंग पुलिस की संयुक्त टुकड़ी प्रभावित इलाके में तैनात की गई है।

गोवा में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंदुत्व विरोधी नारेबाजी

300 लोगों के खिलाफ एफआईआर

दैनिक सम्राट

पणजी। गोवा के पणजी में 11 अक्टूबर को आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने और विवादित नारेबाजी करने के आरोप में गोवा पुलिस ने 300 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा बिना अनुमति निकाले गए इस प्रदर्शन के एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए स्थानीय निवासी की शिकायत पर की गई है। पणजी पुलिस निरीक्षक विजयकुमार चोडंकर ने बताया कि पणजी में आयोजित एक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन के दौरान, मुख्य न्यायिक परिषद के पदाधिकारियों और समर्थकों ने मुर्दाबाद, मुर्दाबाद, हिंदुत्व मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए, जिससे धार्मिक असामंजस्य को बढ़ावा मिला और जानबूझकर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची।

ग्वालियर में दर्दनाक हादसा: लोगों पर चढ़ा ट्रक, शीतला माता के दर्शन के लिए लाइन में खड़े थे

ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 18 मौतें

दैनिक सम्राट संवाददाता

ग्वालियर। ग्वालियर में शनिवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने 57 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई। इनमे 9 पुरुष, एक महिला और 5 बच्चे शामिल हैं। दो पुलिसकर्मी समेत 42 लोग घायल हैं।

हादसा देर रात करीब 1:30 बजे चीनौर रोड पर ढलान के पास हुआ। सभी श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए सड़क किनारे लाइन में लगे थे। तभी चीनौर की ओर से आ रहा धान से भरा ट्रक करीब 90 डिग्री के ढलान पर बेकाबू हो गया। ड्राइवर गूगल मैप की मदद से ट्रक चला रहा था। ढलान पर ट्रक पुलिस चेकपोस्ट तोड़ते हुए लोगों को कुचलकर मंदिर की बाहरी दीवार और गेट से जा टकराया। इससे मंदिर की दीवार ढह गई। कई लोग मलबे में दब गए।

घायलों को जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद परिजन ने



पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और ट्रक मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि ट्रक का ब्रेक फेल हो गया था। सरकार ने सिटी एसपी को हटा दिया है। 8 अफसर-पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया गया है। इनमें चार टीआई हैं।

एसएसपी के अनुसार, अब तक 39 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है, जिनमें से 18 की मौत हो चुकी है। 5-6 मरीज गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें फ्रैक्चर हुए हैं, जबकि बाकी को मामूली चोटें आई हैं।

घटना रात लगभग 1 बजे के करीब हुई

कलेक्टर रुचिका चौहान ने बताया कि सूचना मिलते ही एम्बुलेंस और अन्य वाहन मौके पर भेजे गए। उनके अनुसार, इस घटना में 18 लोगों की मौत हो गई है और 5 से 6 मरीज गंभीर हालत में हैं। करीब 29 लोगों को अलग-अलग तरह की चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान उस सड़क पर स्टॉपर और पुलिस चेक-पॉइंट मौजूद था। ट्रक अंदर कैसे आ गया, यह जांच का विषय है। ट्रक की मैकेनिकल जांच के लिए आरटीओ टीम भेजी गई है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि यह घटना रात करीब 1 बजे हुई। मैंने कुछ लोगों को मौके पर ही दम तोड़ते देखा। ट्रक में क्षमता से ज्यादा सामान लदा था।

राहुल गांधी ने गोवा में सरकार को घेरा

'सरकार को पता है मुझ पर केस किया तो मामला लीगल हो जाएगा'

दैनिक सम्राट संवाददाता

गोवा। राहुल गांधी ने रविवार को गोवा में कहा कि मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई केस दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे।

दिल्ली में हम कुछ ही समय में पीएम, गृहमंत्री से निपट लेंगे। काम जारी है। सरकार की एक्सपायरी डेट आने वाली है। आपने देखा है कि आजकल पीएम सामने खड़े नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये जानते हैं कि देश का युवा इनके खिलाफ खड़ा हो गया है। राहुल कांग्रेस के जनसंपर्क अभियान 'गोय राखोन यात्रा' में शामिल होने गोवा पहुंचे थे। यहां कांग्रेस की 28 दिन लंबी यात्रा का समापन हुआ है। राहुल का पिछले 4 सालों में यह पहला गोवा दौरा है। इससे पहले 2022 में वह यहां आए थे। गोवा में अगले साल 2027 में विधानसभा चुनाव हैं।

हर एजुकेशन सिस्टम में आरएसएस के लोग: पूरी दुनिया मानती थी कि इंडिया का एजुकेशन सिस्टम नंबर वन मॉडल का था। लेकिन, आज दिल्ली में स्टूडेंट्स को ही मारा जा रहा है। हर एजुकेशनल सिस्टम में इन्होंने बीजेपी और आरएसएस के लोग बैठे हुए हैं।

कांग्रेस करप्शन मॉडल खत्म करेगी: हाईटेक करप्शन, जमीन का करप्शन ये यहां करते हैं। जैसे पहले गुजरात में नरेंद्र मोदी का मॉडल था। वैसे ही गोवा में करप्शन का मॉडल है। इसे सिर्फ कांग्रेस ही खत्म कर सकती है।

सबसे ज्यादा बेरोजगारी गोवा में: पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए। इनका यही काम है। गोवा की जनता को लूटने का, आपकी जमीन छीनकर अरबपतियों को देने का। गोवा देश में सबसे सुंदर जगह है, सबसे अच्छा कल्चर है। लेकिन यहां भी सरकार आपकी जमीन छीनकर गोवा के जो बाहर के लोग हैं उनको करोड़ों में बेचती है।



गोवा में फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव संभव

गोवा में अगला विधानसभा चुनाव 2027 की शुरुआत में संभवतः फरवरी-मार्च 2027 में होगा। चुनाव की आधिकारिक तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च 2027 को खत्म होगा।

कांग्रेस 15 साल से सत्ता से बाहर, वापसी की आस

गोवा में कांग्रेस 2012 से सत्ता से बाहर है, यानी करीब 15 साल। 2012 में कांग्रेस सरकार को भाजपा-एमजीपी गठबंधन ने हराया था। 2017 में कांग्रेस 17 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन भाजपा ने गठबंधन बनाकर सरकार बना ली। 2022 में भाजपा ने 20 सीटें जीतीं और बाद में कांग्रेस के 8 विधायक भाजपा में चले गए।

हमले की लॉरेंस गैंग ने जिम्मेदारी ली

टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में 5 राउंड फायरिंग, एक्टर सुरक्षित

दैनिक सम्राट संवाददाता

मुंबई। एक्टर टाइगर श्रॉफ पर रविवार शाम 7 बजे मुंबई में फायरिंग हुई। टाइगर फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे तभी उनकी कार जुहू के पुष्पा पार्क के पास रुकी। यहां उन्हें देखने के लिए भीड़ जमा थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन लोग वहां पहुंचे और टाइगर की कार पर 5 राउंड फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक टाइगर श्रॉफ सुरक्षित हैं। लेकिन फायरिंग में टाइगर के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति को गोली लगी। फिलहाल दोनों खतरे से बाहर हैं। हमले के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट और ऑडियो वायरल हो रहा है। इसमें लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने फायरिंग की



जिम्मेदारी ली। लिखा कि सलमान खान के साथ काम करने वाले का यही अंजाम होगा। ऑडियो में खुद को अनिल पंडित बताने वाला शख्स सलमान खान को भी धमका रहा है। कह रहा है कि सलमान और उसके परिवार को खत्म कर देंगे। वे चाहे जितनी सिक्योरिटी में रहें। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने पुलिस से बातकर घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। हमले के दोषियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाएगा।

सीजेपी के प्रदर्शन में नेहा बोरा के बांग्लादेश वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री ने दिया जवाब

भारत में सत्ता परिवर्तन सिर्फ चुनावों के जरिए ही हो सकता हैं: रिजिजू

दैनिक सम्राट संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को आरोप लगाया कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। कुछ नेताओं ने युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की।



रिजिजू ने कहा कि ऐसी खतरनाक साजिश रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं। रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट के अलावा एक वीडियो भी शेयर किया। जिसमें राहुल गांधी और नेहा बोरा को दिखाया गया है। दरअसल 14 अक्टूबर पहले नेहा बोरा का बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रदर्शन के समर्थन वाला वीडियो सामने आया था।

नेहा बोरा ने कहा था- भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश से प्रेरित

नेहा बोरा ने दो दिन पहले बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट को उनके छठे सेंट्रल कॉन्फ्रेंस के लिए बधाई देते हुए एक वीडियो मैसेज भेजा था। इसमें उन्होंने कहा कि भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरित है। एसएसएफ बांग्लादेश के छात्र आंदोलन और तख्तापलट के घटनाक्रमों में सक्रिय था।

भाजपा बोली थी- राहुल लोकतंत्र को नष्ट करने की साजिश रच रहे

भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने कहा- बांग्लादेश में क्या हुआ, यह साफ है। एक इस्लामवादी समूह ने भीड़ का इस्तेमाल करते हुए अराजकता फैलाई और पूरी व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश की। उनका मकसद सत्ता परिवर्तन था। नेहा बोरा भी भारत में बांग्लादेश जैसा अराजक आंदोलन चाहती हैं। भंडारी ने कहा- अब यह स्पष्ट है कि जब राहुल गांधी लोकतांत्रिक तरीकों से अपने परिवार को सत्ता में लाने में विफल रहते हैं, तो वह अपने पूरे इकोसिस्टम के साथ भारत में लोकतंत्र को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं।

ससुर का दावा- मानसिक रूप से परेशान थी बहु, दवाईयां चल रही थी

मां ने पहले 2 बच्चों की हत्या की, फिर खुद पर कैंची से वार किया, मौत

दैनिक सम्राट संवाददाता

अलवर। अलवर जिले के दांतिया गांव में मां ने अपने दो बच्चों की हत्या कर सुसाइड कर लिया। 3 साल की बेटी घर के बाहर खेलने जाने की जिद कर रही थी। वह बेटी और बेटे को पकड़कर कमरे में ले गई और गेट बंद कर लिया। कमरे के अंदर उसने दोनों बच्चों पर कैंची से वार कर दिया। इसके बाद महिला ने खुद पर भी कैंची से वार कर लिया। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गेट को धक्का देकर खोला तो महिला और दोनों बच्चे लहूलुहान हालत में मिले। लोगों ने उनको खेड़ली के उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला की बेटी को मृत घोषित कर दिया।

गला काटकर बच्चों की हत्या की, फिर खुद ने सुसाइड किया

खेड़ली थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल ने बताया- सुबह करीब 9 बजे सूचना मिली कि खेड़ली हॉस्पिटल में 4 लोगों को लाया गया है। इनमें से 1 महिला और 2 बच्चों की मौत हो गई है, जबकि 1 घायल महिला को अलवर रेफर किया गया है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। परिजनों से पूछताछ में सामने आया कि ऊषा शर्मा पत्नी अमित शर्मा निवासी दांतिया ने 5 साल के बेटे मुकुल और 3 साल की बेटी नंदिता की गला काटकर हत्या कर दी। फिर खुद ने भी सुसाइड कर लिया।



इलाज के दौरान महिला और उसके बेटे ने भी दम तोड़ दिया। महिला की छोटी बहन की शादी भी इसी घर में हो रखी है। उसने बहन और बच्चों को लहूलुहान हालत में देखा तो सिर दीवार पर मार दिया, जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे अलवर रेफर किया गया है। महिला के ससुर बृजभूषण शर्मा ने बताया- बहू मनीषा कई साल से मानसिक रूप से परेशान थी। उसका इलाज चल रहा था।

फ्रांस में दुकानों से आईफोन लूटे, पुलिस को दौड़ाया

दैनिक सम्राट

नई दिल्ली। फ्रांस में महंगाई के खिलाफ शनिवार को 8 लाख लोग सड़कों पर उतर आए। कई जगह प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ियों पर पत्थर फेंके और पुलिसकर्मियों को दौड़ाया। कुछ जगहों पर एपल स्टोर्स से आईफोन भी लूटे गए। वहीं, लिमोज शहर में प्रदर्शनकारियों ने 143 साल पुराने टाउन हॉल में आग लगा दी। प्रदर्शन में कुछ लोग जोकर और कैप्टन अमेरिका जैसे किरदारों की पोशाक पहनकर भी पहुंचे। यह आंदोलन करीब एक महीने पहले छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ था। धीरे-धीरे इसमें महंगाई और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ विरोध भी जुड़ गया। प्रदर्शन के दौरान और उसके बाद युवकों के समूह सड़कों पर घूमते रहे। कुछ जगहों पर उनकी पुलिस से झड़प हुई।

बारिश से रात का तापमान गिरा, दिन का तापमान अब भी 35 डिग्री के ऊपर

जयपुर में ओले गिरे, कई जिलों में बारिश

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का हल्का प्रभाव बना हुआ है। जयपुर में रविवार दोपहर सी-स्कीम, जवाहर नगर, राजापार्क सहित कई इलाकों में बारिश हुई और ओले भी गिरे। अजमेर के गगवाना गांव में शाम को करीब 5.30 बजे मौसम बदला और बरसात के साथ ओले गिरे। अजमेर शहर में मौसम साफ रहा और दिनभर धूप खिली रही। टोंक और बारां जिलों में भी बरसात हुई। जयपुर के राजापार्क में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। तेज बारिश से स्टेच्यू सर्किल, सरदार पटेल मार्ग पर सड़कों पर पानी भर गया। इससे गाड़ी चलाने वाले परेशान भी हुए।

नया विक्षोभ होगा सक्रिय

मौसम विभाग की नई भविष्यवाणी के अनुसार 23-24 अक्टूबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। जिसके असर से मौसम में फिर बदलाव दिखाई देगा। फिलहाल जयपुर में रविवार दोपहर बाद ओले गिरे और बारिश हुई। मौसम विभाग ने 19 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है।



तेज बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि

मौसम विभाग के अलर्ट का असर राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों में नजर भी आया। जयपुर में दोपहर बाद ओलावृष्टि और बारिश हुई। तेज हवा भी चली। इसके बाद मौसम में और ठंडक घुल गई। पिछले तीन दिन से हल्की से मध्यम बारिश का दौर चल रहा था। मौसम विभाग के अनुसार अब बारिश पर ब्रेक लगेगा और मौसम शुष्क रहेगा। मौसम केन्द्र के अनुसार जयपुर में अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक है।

मुख्यमंत्री की नवरात्र पर महिला सुरक्षा को समर्पित बड़ी सौगात, नवीन 100 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का शुभारंभ

हमारा संकल्प; नारी शक्ति को मजबूत कर सक्षम बनाना: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के लिए मासिक यात्रा भत्ते की घोषणा

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति में शक्ति की आराधना का पावन पर्व नवरात्र मातृ शक्ति के सम्मान और सुरक्षा सर्वोपरि की सीख देता है। इसी भावना के साथ राज्य सरकार महिला एवं बालिका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, ताकि वे बिना किसी भय के शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक गतिविधियों में और आगे बढ़ सकें।

मुख्यमंत्री रविवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में नवीन कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स एवं महिला यूथ सीएलजी सदस्यों के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि उनके सम्मान, स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और समान अवसरों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। मुख्यमंत्री ने कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स की महिला पुलिसकर्मियों से संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और साहस के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

नवरात्र पर मुख्यमंत्री की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स को सौगात

मुख्यमंत्री ने कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें प्रतिमाह थाने एवं पुलिस चौकी में पदस्थापित कॉन्स्टेबल, हेड कॉन्स्टेबल और एएसआई की तरह निश्चित यात्रा भत्ता देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि अपराधों की रोकथाम,



असामाजिक तत्वों में कानून का भय और महिलाओं में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना पैदा करना भी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण को नई दिशा मिली है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुद्रा योजना और लखपति दीदी जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। वहीं, राज्य सरकार द्वारा भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आधी आबादी को उनका पूरा हक देना सुनिश्चित किया जा रहा है।

अब तक 55 हजार से अधिक असामाजिक तत्वों पर हुई कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स और महिला यूथ सीएलजी सदस्यों का फील्ड में प्रभावी असर नजर आ रहा है। यही कारण है कि वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2026 में महिला अत्याचार के प्रकरणों में लगभग 48 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है तथा महिला अत्याचार संबंधी प्रकरणों में अनुसंधान का औसत समय घटकर 48 दिन रह गया है। उन्होंने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स द्वारा 55 हजार से अधिक असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 50 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं को कानून और 18 लाख से अधिक को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया है। इसी प्रकार लगभग 16 लाख 70 हजार से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी दिया गया है।

हेल्पलाइन 1090 पर 28 हजार से अधिक शिकायतों का निस्तारण

उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार के अन्य प्रयासों के तहत सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड संचालित किए जा रहे हैं। वहीं, महिला हेल्पलाइन 1090 पर पिछले पौने तीन वर्षों में 28 हजार से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया गया है। महिलाओं को उनके अधिकारों और कानून के प्रति जागरुक करने के लिए करीब 22 हजार सुरक्षा सखियों का चयन किया गया है। वहीं, अभय कमांड एवं नियंत्रण केंद्र के माध्यम से प्रदेशभर में 12 हजार 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं।

सेंट लॉरेंस स्कूल में डांडिया मस्ती सीजन-3 का आयोजन

मां दुर्गा की आराधना के बीच डांडिया की धूम, उल्लास में झूमे विद्यार्थी और अभिभावक

विधायक महेंद्र पाल मीणा सहित जनप्रतिनिधियों ने की शिरकत, प्रतियोगिताओं में अभिभावकों ने दिखाया उत्साह





दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना, आस्था और सामूहिक उल्लास का प्रतीक है। मां दुर्गा की आराधना के साथ डांडिया नृत्य इस पर्व की सांस्कृतिक छटा को जीवंत कर देता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हीरावाला स्थित सेंट लॉरेंस स्कूल में डांडिया मस्ती सीजन-3 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थी और अभिभावक पारंपरिक रंगों में रंगे नजर आए। संगीत की धुन, डांडिया की खनक और उत्साह से पूरा परिसर भक्तिमय माहौल के साथ उत्सव के रंग में सराबोर हो गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। इससे पहले इंद्रदेव की कृपा से हुई बारिश ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। इसके बाद डांडिया नृत्य का सिलसिला शुरू हुआ, जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों ने संगीत की लय पर कदम मिलाकर नवरात्रि की सांस्कृतिक परंपरा की मनोहारी झलक पेश की।

विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने की शिरकत

आयोजन में स्थानीय विधायक महेंद्र पाल मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष राकेश वर्मा, पार्षद दीपचंद महावार, अजय राज गुर्जर, अंकुर माहेश्वरी, प्रहलाद मीणा, लोकेश सेन और मुकेश सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान जयपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजस्थान पत्रिका के संवाददाता सुरेश कुमार शर्मा, महेंद्र खटाना, पत्रकार देवांशु जोशी और एबीवीपी के राहुल शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। स्कूल निदेशक बाबूलाल और सीईओ विजय आनंद यादव ने अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर और भेंट देकर स्वागत किया। शक्ति वंदना के बाद विधायक महेंद्र पाल मीणा ने संक्षिप्त संबोधन किया।

प्रतियोगिताओं में अभिभावकों ने दिखाया उत्साह

डांडिया की मस्ती के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इनमें महिला, पुरुष और दंपती वर्ग के अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सामूहिक नृत्य और संगीत की धुन पर थिरकते प्रतिभागियों ने आयोजन को यादगार बना दिया। समय के साथ कार्यक्रम का उत्साह और बढ़ता गया तथा बच्चों और अभिभावकों ने एक साथ उत्सव का आनंद लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद महाआरती हुई, जिसमें मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति का भाव दिखाई दिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ विद्यालय और अभिभावकों के बीच सहभागिता को भी मजबूत किया।

एक मकान में सो रहे व्यक्ति से हाथापाई कर बक्सा ले भागे चोर

दो अन्य घरों में भी चोरी का प्रयास, तीन दिन में खुलासा नहीं होने पर ग्रामीणों ने दी धरने की चेतावनी

दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। इंद्रगढ़ गांव की दूरस्थ ढाणियों में शनिवार रात चोरों ने दो मकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपए के चांदी-सोने के आभूषण और नकदी चुरा ली। एक मकान में सो रहे व्यक्ति के जागने पर चोरों ने उसके साथ हाथापाई की और चारपाई पर दबोचकर बक्सा ले भागे। चोरों ने दो अन्य मकानों में भी चोरी का प्रयास किया, लेकिन जाग होने से वारदात टल गई। चोर करीब साढे आठ लाख से नो लाख के आभूषण व नगदी चुरा ले गए।

वारदातों की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने जमवारामगढ़ थाना पुलिस को जानकारी दी। रविवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घटनास्थलों का मौका मुआयना किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के लिए एमओबी और एफएसएल टीम को भी बुलाया। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भारी रोष है। ग्रामीणों ने तीन दिन में वारदातों का खुलासा नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

खेत में ले जाकर तोड़ा संदूक, चांदी के आभूषण चोरी: अज्ञात चोरो ने इंद्रगढ़ गांव की खटाणों की ढाणी में शंकरलाल गुर्जर के मकान का ताला तोड़कर चोर संदूक उठा ले गए। चोर संदूक को दूसरे खेत में ले गए और उसमें रखे चांदी के आभूषण चुरा लिए। टूटी संदूक बिखरे कपडे पडे थे। पीड़ित के अनुसार चोर करीब आधा-आधा किलो वजनी चांदी की पूछी,आधा किलो कणकती और आधा किलो की बंगड़ी के अलावा चांदी की चेन व पैरों की चटकियां



ले गए। पीड़ित की रपट पर थाने में प्राथमिकी दर्ज हुयी है ।

तीन दिन में खुलासा नहीं तो धरना: चोरी की घटनाओं से नाराज सुनील भगत, धर्मपाल मीना, सीताराम मीना, श्रवणलाल मीना और रामावतार मीना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंचे। ग्रामीणों ने थाना पुलिस के समक्ष रोष जताते हुए तीन दिन में वारदातों का खुलासा नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन इन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। रानियावास, राहोरी और मालियों की ढाणी सहित आसपास के क्षेत्रों में केबल चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। ग्रामीणों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की वारदातों का जल्द खुलासा करने की मांग की है।

इनका कहना है: चोरी की घटना के बाद एमओबी ओर एफएसएल टीम भी जांच के लिए बुलायी है। पुलिस वारदात की जांच में जुटी हुयी है। पुरानी घटनाओ की भी जांच चल रही है। *-भगवान सहाय मीना, थानाधिकारी जमवारामगढ़*

नईनाथ धाम में बीएसएनएल 4जी टावर की मिली मंजूरी

दैनिक सम्राट संवाददाता

बांसखोह (प्रदीप चतुर्वेदी)। बस्सी उपखण्ड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल नईनाथ धाम में मोबाइल नेटवर्क की समस्या से अब श्रद्धालुओं को झूझना नहीं पड़ेगा। बीएसएनएल की ओर से धार्मिक नगरी नईनाथ सहित राजस्थान में 19 स्थानों पर 4जी नेटवर्क की मंजूरी मिली है। आदेश में बताया गया है 4जी सैचुरेशन प्रोजेक्ट की श्रेणी-चतुर्थ के तहत 19 गांवों में भूमि की पहचान और आवंटन की प्रक्रिया शुरू जल्द की जाएगी और मार्च-2027 से पहले समय पर कार्य पूर्ण किया जाएगा। गौरतलब है कि नईधाम में महाशिवरात्रि एवं सावन माह के कृष्ण पक्ष चतुर्दशी लक्खी मेले पर दूरदराज से जयपुर,दौसा,भरतपुर,अलवर,अजमेर सहित दिल्ली,यूपी,एमपी अन्य राज्यों एवं प्रतिवर्ष करीब दस लाख से ज्यादा श्रद्धालु भोले के दरबार में हाजरी लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि की मनोकामना करते है। मोबाईल नेटवर्क नहीं होने श्रद्धालुओं को कॉल करने, ऑनलाइन पेमेंट जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। नेटवर्क लगने से श्रद्धालुओं एवं स्थानीय दुकानदारों को समस्या से निजात मिलेगा।

त्योहारों पर सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, व्यापारियों से किया संवाद

मुख्य बाजार में अतिक्रमण नहीं करने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने की हिदायत, वैध लाइसेंस से ही होगी पटाखों की बिक्री

दैनिक सम्राट संवाददाता

मंडावरी (योगराज गौतम)। त्योहारों के दौरान कस्बे में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में थानाधिकारी जगदीश प्रसाद शर्मा ने सीताराम मंदिर परिसर में व्यापारियों के साथ बैठक कर बाजार की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। बैठक में अतिक्रमण, यातायात व्यवस्था और पटाखों की वैध बिक्री सहित सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया गया।

थानाधिकारी ने व्यापारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान मुख्य बाजार में



अतिक्रमण न करें और दुकानों के बाहर सामान रखकर यातायात बाधित न करें। उन्होंने कहा कि बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को आवागमन में परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी व्यापारी अपनी जिम्मेदारी समझें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

नियमों की अनदेखी पर बरतें सावधानी: बैठक में पटाखों की बिक्री को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। थानाधिकारी ने कहा कि पटाखा विक्रेता निर्धारित नियमों का पालन करते हुए वैध लाइसेंस के आधार पर ही पटाखों की बिक्री करें। त्योहारों के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

व्यापारियों ने उठाई गश्त बढ़ाने की मांग: बैठक के दौरान व्यापारियों ने बाजार की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपने सुझाव भी रखे। उन्होंने त्योहारों के दौरान दिन के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की आवश्यकता जताई, ताकि बाजार में सुरक्षा का माहौल बना रहे।

बांसखोह में भरा आशावरी माता का मेला, मंदिर में उमड़े श्रद्धालु



दैनिक सम्राट संवाददाता

बांसखोह (प्रदीप चतुर्वेदी)। कस्बे में जागेश्वर मठ महादेव के पीछे स्थित अरावली पहाडियों के मध्य विराजमान आशावरी मंदिर पर रविवार को शारदीय नवरात्रि की अष्टमी पर एक दिवसीय वार्षिक मेला धूमधाम से भरा। मेले में श्रद्धालुओं का सैलाब उमडा,श्रद्धालुओं ने माता के जयकारों के जप से अरावली पहाडियों गुंजायमान रही। शारदीय नवरात्रि की अष्टमी पर आशावरी माता प्रतिमा का मनभावन श्रृंगार कर झांकी सजाई गई। मंदिर में दर्जनभर से अधिक पदयात्राएं पहुंची। श्रद्धालु डीजे की धुन में नाचते-गाते पैदल ही माता के दरबार में पहुंचे। मंदिर परिसर को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया है। श्रद्धालुओं ने आशावरी माता के दर्शन कर प्रसाद चढ़ाया और शीश नवाकर घर परिवार में सुख-समृद्धि की मनोकामना मांगी।

थाना जवाहर नगर जयपुर पूर्व की अंतर्राज्यीय डी-200 नकबजनी गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

3 आरोपी गिरफ्तार, बिना नंबरी स्कूटी व नकब बरामद, 500 सीसीटीवी फुटेज से खुलासा

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर (आरआर शर्मा)। जयपुर की जवाहर नगर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय नकबजनी गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की डी-200 गैंग के मुख्य आरोपी मोमिन उर्फ मोहसिन सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले पिलखुवा निवासी प्रवीण कुमार वर्मा को भी पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों में शैलेंद्र उर्फ शैली भी शामिल है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर की जुपिटर स्कूटी और ताला तोड़ने का औजार जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, गैंग के सदस्य जयपुर सहित राजस्थान और दूसरे राज्यों में सूने मकानों और फ्लैटों को निशाना बनाते थे। आरोपी रात में गाजियाबाद से जयपुर आते, बंद मकानों की रेकी



करते और सुबह ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने करीब 100 किलोमीटर के दायरे में 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंची।

500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से लगा आरोपियों का सुराग: डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा ने बताया कि जवाहर नगर थाना क्षेत्र के रेजिडेंसी सेक्टर-4 स्थित फ्लैट नंबर 404 में 5 मार्च को चोरी हुई थी। परिवादी प्रदीप कुमार चाहर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सुबह ऑफिस गया था, जबकि उसका परिवार गांव गया हुआ था। इसी दौरान चोर फ्लैट का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुरा ले गए। इस मामले में जवाहर नगर थाना प्रभारी सरला यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस ने करीब 100 किलोमीटर के दायरे में लगभग 500 कैमरों की फुटेज खंगाली गई। तकनीकी सहायता और फुटेज की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंची और उन्हें धर-दबोचा।

जवाहर नगर थानाधिकारी सरला यादव ने बताया कि पहचान छिपाने के लिए आरोपी हेलमेट और मास्क पहनते थे और बिना नंबर के दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते थे।

दांत माता मंदिर से मोरी वाले बालाजी तक का रास्ता होगा साफ

कटीली झाड़ियों से श्रद्धालुओं को हो रही परेशानी, जनप्रतिनिधियों ने सौंपा पत्र; अधिशासी अधिकारी को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

रास्ते में कटीली झाड़ियां उगने से श्रद्धालुओं और राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। इस समस्या के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों और श्रीराम मोरी वाले हनुमान सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने विधायक महेंद्रपाल मीणा को पत्र सौंपकर झाड़ियां हटवाने की मांग की।

दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। दांत माता मंदिर से मोरी वाले बालाजी मंदिर तक जाने वाले रास्ते में उगी कटीली झाड़ियों को हटाने की मांग पर रविवार को विधायक महेंद्रपाल मीणा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिशासी अधिकारी को रास्ता साफ करवाने के निर्देश दिए हैं।रास्ते में कटीली झाड़ियां उगने से श्रद्धालुओं और राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। इस समस्या के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों और श्रीराम मोरी वाले हनुमान सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने विधायक महेंद्रपाल मीणा को पत्र सौंपकर झाड़ियां हटवाने की मांग की। विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी युवराज युद्धिष्ठिर को आवश्य क कार्रवाई के लिए अवगत करवाया और रास्ते की सफाई के निर्देश दिए।इस दौरान पार्षद अंकुर माहेश्वरी, पार्षद रामरतन बिंवाल, नितेश राठी, राजेंद्र चारण, राकेश गुप्ता, ऋषि चारण, आकाश शर्मा, गौरव सैन और लाली मीणा सहित श्रीराम मोरी वाले हनुमान सेवा समिति के कार्यकर्ता मौजूद रहे।



रामगढ़ पचवारा के 17 वार्डों में टिकट के लिए शक्ति प्रदर्शन, परसादी लाल मीणा ने प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं से किया संवाद

टिकट की दावेदारी में कांग्रेसियों ने दिखाया दमखम, उमड़ा समर्थकों का हुजूम

दैनिक सम्राट संवाददाता

रामगढ़ पचवारा (योगराज गौतम)। पंचायती राज चुनाव 2026 की रणभेरी बजते ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनावी बिसात पर अपनी गोटियां फिट करने और पार्टी का टिकट हासिल करने के लिए कांग्रेस में दावेदारों ने ताकत झोंकनी शुरू कर दी है।

रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामगढ़ पचवारा के तत्वावधान में दा प्रभु कौशल रिसोर्ट में आयोजित बैठक में पंचायत समिति के 17 वार्डों से चुनाव लड़ने के इच्छुक प्रत्याशियों ने अपने-अपने समर्थकों के साथ पहुंचकर शक्ति प्रदर्शन किया। रिसोर्ट में जुटे समर्थकों के हुजूम के बीच टिकट की दावेदारी को लेकर सियासी माहौल गर्म नजर आया।



बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कांग्रेस के बैनर तले चुनाव लड़ने के इच्छुक 17 वार्डों के प्रत्याशियों से संवाद किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी टिकट वितरण को लेकर चर्चा की तथा चुनावी तैयारियों और दावेदारों की स्थिति पर मंथन किया। बैठक में प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों की मौजूदगी के जरिए संगठन के सामने अपनी ताकत का अहसास कराने का प्रयास किया।

टिकट के लिए दावेदारों ने भरी हुंकार

पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा के 17 वार्डों में चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे दावेदार अपने-अपने समर्थकों के साथ बैठक में पहुंचे। इस दौरान पार्टी के संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता और समर्थकों की मौजूदगी ने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस की सियासी हलचल को तेज कर दिया। बैठक में टिकट वितरण, चुनावी समीकरणों और कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर चर्चा हुई।

दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में चुनावी रणनीति पर मंथन

बैठक में पर्यवेक्षक रामौतार मीना, पीसीसी सदस्य कमल मीणा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम मीणा, रामविलास खेमावास, नगर पालिका अध्यक्ष रामफूल मीणा, उपाध्यक्ष मोहनलाल सोनी, डॉ. मोहनलाल मीणा, मुकेश शर्मा, अशोक बिदरखा, पार्षद योगेश जांगिड़, मीठालाल मीणा, गोपाल राणोली, कालूराम सोनड, जगदीश भयपुर, रामनिवास मीणा, चंद्रमोहन मीणा, बृजमोहन अरनिया, पवन शर्मा, विष्णु व्यास, तेजराम वाले, शिव लहरी सोनी और विष्णु कटारा सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे। बैठक में पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा के 17 वार्डों से चुनाव लड़ने के इच्छुक प्रत्याशियों के साथ उनके सैकड़ों समर्थकों ने भाग लिया। चुनाव से पहले आयोजित इस बैठक को कांग्रेस की संगठनात्मक तैयारियों और टिकट के दावेदारों की ताकत परखने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

घूंघट की ओट में सियासी दांव! पंचायत चुनाव में टिकट के लिए महिला दावेदारों ने दिखाई ताकत

पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने 17 वार्डों के प्रत्याशियों से किया संवाद



दैनिक सम्राट संवाददाता

रामगढ़ पचवारा (योगराज गौतम)। पंचायत राज चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच रामगढ़ पचवारा में सियासी पारा चढ़ने लगा है। पंचायत समिति की 17 सीटों पर टिकट की दावेदारी को लेकर राजनीतिक दलों में हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामगढ़ पचवारा के तत्वावधान में रविवार को दा प्रभु कौशल रिसोर्ट में बैठक आयोजित हुई। बैठक में महिला दावेदारों ने घूंघट की ओट में अपने समर्थकों के साथ पहुंचकर टिकट के लिए दावेदारी पेश की और अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया।

घूंघट की ओट में दावेदारी, सियासत में भागीदारी की तैयारी

बैठक में पंचायत समिति के महिला आरक्षित वार्डों से चुनाव लड़ने की इच्छुक महिलाएं अपने समर्थकों के साथ पहुंचीं। राजस्थान की परंपरा के अनुरूप कई महिला दावेदार घूंघट में नजर आईं। बुजुर्गों के सम्मान और सामाजिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए इन महिलाओं ने कांग्रेस के बैनर तले चुनावी मैदान में उतरने के लिए टिकट की मांग रखी। एक ओर घूंघट में परंपरा की झलक दिखाई दी, तो दूसरी ओर पंचायत राज की राजनीति में भागीदारी को लेकर महिलाओं की सक्रियता भी सामने आई। बैठक को पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा के सभी 17 वार्डों से चुनाव लड़ने के इच्छुक प्रत्याशियों और उनके समर्थकों से संवाद किया।

श्मशान भूमि में रोपे 111 पौधे, 1100 पौधे लगाने का लक्ष्य

दैनिक सम्राट संवाददाता

कोटपूतली (अनिल शरण बंसल)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रीन फ्यूचर एलायंस (जीएफए एनजीओ) की ओर से रविवार को नागा जी की गोर स्थित स्थानीय श्मशान भूमि में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री सीताराम दास महाराज की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में 111 पौधे लगाए गए। संस्था ने अभियान के तहत कुल 1100 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। संस्था के संचालक पवन सैनी एवं उपसंचालक प्रदीप सैनी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में वार्ड संख्या 43 के पार्षद दिनेश सैनी सहित संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान रोहित स्वामी (एनजीओ प्रबंधन), सुमित स्वामी, कैलाश सैनी, सुनील सैनी, लोकेश कुमार, कृष्ण कुमार सैनी, गोसेवक सुनील सैनी, महेंद्र सैनी, अनिल सैनी,



विजय सिंह, ललित यादव, सीताराम (डॉक्टर), संदीप (सुनार) और जितेंद्र सहित टीम के सदस्य मौजूद रहे।

पौधों के लिए किया सहयोग: अभियान को सफल बनाने में कृष्ण कुमार सैनी ने पौधे उपलब्ध करवाकर महत्वपूर्ण सहयोग दिया। संस्था की ओर से उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

पंचायत चुनाव 2026: रामगढ़ पचवारा में 19 अक्टूबर से जमा होंगे नामांकन, कार्मिकों को सौंपी जिम्मेदारी

23 अक्टूबर तक सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक लिए जाएंगे नामांकन पत्र, जांच के लिए तीन सहायता टेबल होंगी स्थापित

दैनिक सम्राट संवाददाता

रामगढ़ पचवारा (योगराज गौतम)। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 को लेकर रामगढ़ पचवारा में चुनावी तैयारियां तेज हो गई हैं। पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा में तृतीय चरण के तहत 5 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। इसके लिए 19 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए रिटर्निंग अधिकारी पंचायत एवं उपखंड अधिकारी गणराज बडगोती ने कार्यालय आदेश जारी कर विभिन्न अधिकारियों एवं कार्मिकों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

जारी आदेश के अनुसार, 19 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी पंचायत (एसडीएम) कार्यालय रामगढ़ पचवारा में नाम निर्देशन आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की प्रारंभिक जांच, दस्तावेजों की पड़ताल तथा अभ्यर्थियों एवं उनके प्रस्तावकों के मतदाता क्रमांक का मतदाता सूची से मिलान करने के लिए कार्मिकों की नियुक्ति की गई है।

तीन सहायता टेबलों पर होगी नामांकन पत्रों की जांच

नामांकन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए तीन सहायता टेबलों की व्यवस्था की गई है। इन पर तैनात कार्मिक नाम निर्देशन पत्रों की प्रारंभिक जांच करेंगे। इसके साथ ही आवेदन पत्रों में आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेजों की जांच कर कमियों को चिह्नित किया जाएगा, ताकि नामांकन प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी हो सके।

आदेश के तहत सहायक रिटर्निंग अधिकारी रवि प्रकाश गुप्ता एवं सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारियों और कार्मिकों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। नामांकन पत्रों की अंतिम जांच, रजिस्टर संधारण, नोटिस देने तथा मतदाता सूची में अभ्यर्थियों एवं प्रस्तावकों के मतदाता क्रमांक का मिलान करने की जिम्मेदारी भी निर्धारित की गई है।

सुबह 8:30 बजे कार्यालय में देनी होगी उपस्थिति

रिटर्निंग अधिकारी की ओर से जारी आदेश में नियुक्त सभी कार्मिकों को 19 से 23 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। कार्मिकों को निर्धारित जिम्मेदारियों का समय पर निर्वहन करने तथा नामांकन प्रक्रिया के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए पाबंद किया गया है।

पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा में होने वाले चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ऐसे में प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं का उद्देश्य नामांकन कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराना और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना है।

शबरी की भक्ति, सुग्रीव से मित्रता और हनुमान के पराक्रम ने मोहा मन

अशोक वाटिका में सीता से भेंट के बाद हनुमान ने फूंकी सोने की लंका, जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा रामलीला परिसर



दैनिक सम्राट संवाददाता

कोटपूतली (अनिल शरण बंसल)। श्री रामलीला मंडल कोटपूतली के तत्वावधान में आयोजित रामलीला में भगवान श्रीराम के वनवास काल के प्रमुख प्रसंगों का सजीव मंचन किया गया। शबरी की भक्ति, श्रीराम-सुग्रीव मित्रता, बाली वध, हनुमान जी का समुद्र लांघकर लंका पहुंचना, अशोक वाटिका में माता सीता से भेंट और लंका दहन के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और सजीव संवादों ने रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। लंका दहन के दौरान पूरा रामलीला परिसर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा। रामलीला का शुभारंभ शबरी प्रसंग से हुआ। भगवान श्रीराम के दर्शन की प्रतीक्षा में बैठी माता शबरी की अटूट श्रद्धा और भक्ति का भावपूर्ण मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण के कुटिया में पहुंचने पर शबरी ने बेर अर्पित कर उनका सत्कार किया। इस प्रसंग ने संदेश दिया कि ईश्वर के लिए धन, वैभव और पद से बढ़कर सच्ची श्रद्धा व निर्मल प्रेम महत्वपूर्ण हैं। इसके बाद श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता तथा बाली वध का मंचन हुआ। माता सीता की खोज के दौरान हनुमान जी के माध्यम से श्रीराम की सुग्रीव से भेंट हुई। सुग्रीव ने अपने भाई बाली के अत्याचारों की व्यथा सुनाई। श्रीराम ने सुग्रीव को न्याय दिलाने और सुग्रीव ने माता सीता की खोज में सहयोग करने का संकल्प लिया। इसके बाद सुग्रीव-बाली के युद्ध और भगवान श्रीराम द्वारा बाली वध का दृश्य प्रस्तुत किया गया। इस प्रसंग ने मित्रता, वचनबद्धता और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का संदेश दिया।

हनुमान जी के पराक्रम ने बांधा समां: रामलीला में हनुमान जी के समुद्र लांघकर लंका पहुंचने का रोमांचक प्रसंग प्रस्तुत किया गया। लंका में माता सीता की खोज करते हुए हनुमान जी अशोक वाटिका पहुंचे, जहां उन्होंने माता सीता को भगवान श्रीराम की मुद्रिका देकर प्रभु का संदेश सुनाया। इस दौरान माता सीता की पीड़ा, उनकी अटूट रामभक्ति और हनुमान जी की सेवाभावना का मार्मिक चित्रण किया गया। इसके बाद हनुमान जी द्वारा अशोक वाटिका उजाड़ने, राक्षसों से संघर्ष करने और रावण के दरबार में पहुंचने के प्रसंग का मंचन हुआ।

लंका दहन के साथ गूंजे जय श्रीराम के जयकारे: रामलीला का मुख्य आकर्षण हनुमान जी द्वारा लंका दहन का दृश्य रहा। रावण के आदेश पर हनुमान जी की पूंछ में आग लगाने के बाद उन्होंने अपनी शक्ति और चपलता से लंका के विभिन्न हिस्सों में आग लगा दी।

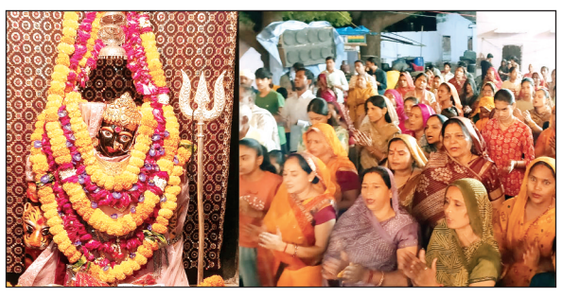
महाकाली मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंजा धाम

हजारों भक्तों ने माता के दरबार में धोक लगाकर मांगी मन्नतें, भजनों की रसधार में देर रात तक डूबे रहे भक्त

दैनिक सम्राट संवाददाता

लालसोट (योगराज गौतम)। नवरात्र के आठवें दिन लालसोट स्थित महाकाली मंदिर में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। मां भगवती के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े और पूरा मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने मां महाकाली के दरबार में धोक लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की तथा अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए अरदास लगाई। दिनभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा और माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

महाकाली धाम के पीठाधीश्वर महंत बनवारी लाल व्यास के सानिध्य में विभिन्न वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों के बीच मां महाकाली की भव्य महाआरती की गई। इस दौरान पुष्प वर्षा ने धार्मिक



आयोजन की छटा में चार चांद लगा दिए। आरती के समय श्रद्धालु मां की भक्ति में लीन नजर आए। मां की भव्य झांकी के दर्शन कर भक्तों ने पुण्य लाभ कमाया और परिवार की खुशहाली की कामना की।

'चलो बुलावा आया है' की गूंज पर भक्ति में झूम उठे श्रद्धालु

रात्रिकालीन भक्ति जागरण में भजनों की ऐसी रसधार बही कि श्रद्धालु देर रात तक भक्ति के रंग में रंगे रहे। मां महाकाली की महिमा पर आधारित भक्ति गीतों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। जैसे ही गायक कलाकारों ने प्रसिद्ध भजन 'चलो बुलावा आया है, माता शेरावाली ने बुलाया है' की प्रस्तुति दी, पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति में झूमने लगे और मंदिर परिसर में भक्तिरस की अविरल धारा बह निकली।

महाप्रसाद वितरण में जुटे रहे समिति सदस्य

धार्मिक आयोजन के दौरान महाकाली सेवा समिति के सदस्य श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरण करने में जुटे रहे। समिति सदस्यों ने सेवा भाव के साथ व्यवस्थाएं संभालीं और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर वेदाचार्य पंडित कैलाश शर्मा ने मां भगवती की महिमा बताते हुए कहा कि मां दुर्गा तप, त्याग, संयम, साधना और दृढ़ संकल्प की प्रतीक हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां की आराधना से भक्तों को धैर्य, आत्मबल और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है। मां महाकाली के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती है।

दिल्ली पब्लिक वर्ल्ड स्कूल में धूमधाम से मना दशहरा महोत्सव, 41 फीट ऊंचे रावण के पुतले का किया दहन, बच्चों की जीवंत प्रस्तुतियों ने मोहा मन

भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाएं विद्यार्थी: आनंद मित्तल



दैनिक सम्राट संवाददाता

कोटपूतली (अनिल शरण बंसल)। पनियाला मोड़ स्थित दिल्ली पब्लिक वर्ल्ड स्कूल में शनिवार को दशहरा महोत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का जीवंत मंचन कर भगवान श्रीराम के आदर्शों और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों और दर्शकों का मन मोह लिया। महोत्सव के अंत में 41 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां जगदंबा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं आरती के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय निदेशक आनंद मित्तल ने की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, रावण, राजा जनक, राजा दशरथ, कैकेयी और सुमित्रा सहित रामायण के प्रमुख पात्रों की वेशभूषा में आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

बच्चों के अभिनय और संवादों ने रामायण के प्रसंगों को सजीव कर दिया, जिसकी अतिथियों एवं दर्शकों ने सराहना की। विद्यालय निदेशक आनंद मित्तल ने विद्यार्थियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दशहरा केवल त्योहार नहीं, बल्कि अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का शाश्वत संदेश है। भगवान श्रीराम के जीवन से त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्शों की प्रेरणा मिलती है।

गंगाधाम कॉलोनी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, हजारों भक्तों ने नवाया शीश

शहीद बाबा को चादर, मां चामुण्डा-दुर्गा का अलौकिक श्रृंगार और भैरूजी के फूल-बंगले ने मोहा मन; जात-जड़ूले चढ़ाने उमड़े श्रद्धालु



दैनिक सम्राट संवाददाता

बस्सी (डी.सी. बेनिवाल)। जयकारों की गूंज, भक्ति का उल्लास और श्रद्धालुओं का उमड़ता जनसैलाब दुर्गाष्टमी के पावन पर्व पर रविवार को शहर की गंगाधाम कॉलोनी स्थित बैरवा मोहल्ले में स्थित शहीद बाबा, चामुण्डा देवी, दुर्गा माता एवं भैरूजी महाराज का सम्मिलित मंदिर प्रांगण आस्था और श्रद्धा के अद्भुत संगम का साक्षी बना। मंदिर प्रांगण में आयोजित विशाल मेले में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर देव-दर्शन किए और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। चारों ओर धार्मिक उल्लास और भक्ति का माहौल छाया रहा।



देवी-देवताओं का मनमोहक श्रृंगार बना आकर्षण का केंद्र

दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर शहीद बाबा को विधि-विधान से चादर चढ़ाई गई। मां चामुण्डा देवी एवं दुर्गा माता को नवीन पोशाक धारण कराकर आलौकिक श्रृंगार किया गया, वहीं भैरूजी महाराज को चोला चढ़ाकर आकर्षक फूल-बंगला झांकियां सजाई गईं। फूल-मालाओं से सजे मंदिर परिसर की छटा देखते ही बन रही थी। श्रद्धालुओं ने दर्शन कर माथा टेका और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर में गूंजते जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

मनोकामनाओं के साथ मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

मेले में श्रद्धालुओं ने खीर, हलवा, पुआ, पूड़ी, पकौड़ी, बर्फी, लड्डू, सतबीणी सहित विभिन्न पकवानों का भोग लगाकर अपनी आस्था प्रकट की। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जात-जड़ूले चढ़ाए, जबकि कई भक्तों ने गरजोड़ों की जात लगाकर परंपरा का निर्वहन किया। श्रद्धालुओं ने शहीद बाबा, मां चामुण्डा, दुर्गा माता एवं भैरूजी महाराज के चरणों में शीश नवाकर घर-परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की।

दिल्ली-इंदौर तक से पहुंचे भक्त, मेले में रही रौनक

इस विशाल मेले में बस्सी शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ जयपुर, दौसा, बांदीकुई, दिल्ली, इंदौर सहित दूर-दराज के इलाकों से श्रद्धालु पहुंचे। मेले में खिलौनों, गुब्बारों और अन्य सामानों की अस्थायी दुकानें सजीं, जहां बच्चों और परिवारों ने जमकर खरीदारी की। धार्मिक आस्था के साथ मेले की रौनक ने पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना दिया।

मंदिर के महन्त बद्रीनारायण बैरवा ने बताया कि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ मंदिर में दर्शन करने आते हैं तथा अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए बाबा और माता के दरबार में शीश नवाते हैं।

चामुण्डा माता की 20वीं पदयात्रा आज

दैनिक सम्राट संवाददाता

बस्सी (डी.सी. बेनिवाल)। शहर में गंगाधाम कॉलोनी बैरवा मोहल्ला स्थित शहीद बाबा, चामुण्डा देवी, दुर्गा माता, भैंरुजी महाराज के सम्मिलित मन्दिर प्रांगण से आज सोमवार को सुबह 10 बजे विधिः विधान से पूजा अर्चना एंव ध्वज पूजन के साथ चामुण्डा माता मंदिर टोडा भाटा के लिए 20वीं पदयात्रा रवाना होगी। पदयात्रा गंगाधाम मोड़, बस-स्टेण्ड, कृषि उपज मंडी, बिराजपुरा, दामोदरपुरा, टोडा भाटा बस-स्टेण्ड होते हुए चामुण्डा देवी एवं भौमियाजी महाराज के दरबार में ध्वज अर्पित किया जाएगा।

सम्पादकीय

आखिर अपराध के दलदल में क्यों धंस रहे हैं युवा?

युवावस्था जीवन का वह दौर है, जिसमें सपने सबसे बड़े होते हैं, ऊर्जा सबसे अधिक होती है और कुछ कर गुजरने की इच्छा मन में हिलोरे मारती है। लेकिन जब इन सपनों को सही दिशा नहीं मिलती, तो यही ऊर्जा कभी-कभी विनाशकारी रास्ता पकड़ लेती है।

राजस्थान की पहचान वीरता, शौर्य, त्याग, संस्कार और गौरवशाली परंपराओं की धरती के रूप में रही है। महाराणा प्रताप के अदम्य साहस, भामाशाह के त्याग और यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत ने सदियों से देश को प्रेरणा दी है। यहां के युवाओं ने सेना, शिक्षा, खेल, प्रशासन, विज्ञान और उद्योग सहित अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लेकिन इसी राजस्थान में जब युवाओं के नाम अपराध, गैंगवार, अवैध हथियारों, नशे, साइबर ठगी, लूटपाट और आपराधिक गिरोहों से जुड़ने लगते हैं, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं रह जाता, बल्कि समाज के भविष्य को लेकर गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। आखिर ऐसी क्या परिस्थितियां पैदा हो रही हैं कि संभावनाओं से भरे युवाओं का एक वर्ग अपने सुनहरे भविष्य को अपराध के अंधेरे में धकेल रहा है? इस सवाल का जवाब केवल पुलिस की कार्रवाई में नहीं, बल्कि समाज, परिवार, शिक्षा व्यवस्था, रोजगार और बदलती जीवनशैली में भी तलाशना होगा।

युवावस्था जीवन का वह दौर है, जिसमें सपने सबसे बड़े होते हैं, ऊर्जा सबसे अधिक होती है और कुछ कर गुजरने की इच्छा मन में हिलोरे मारती है। लेकिन जब इन सपनों को सही दिशा नहीं मिलती, तो यही ऊर्जा कभी-कभी विनाशकारी रास्ता पकड़ लेती है। राजस्थान में सरकारी नौकरियों की तैयारी करने वाले युवाओं की बड़ी संख्या, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव, सीमित अवसरों के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा और लंबे समय तक अनिश्चितता से जूझते अभ्यर्थियों की स्थिति को गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। रोजगार की समस्या अपने आप में किसी को अपराधी नहीं बनाती, लेकिन बेरोजगारी, आर्थिक असुरक्षा, निराशा और गलत संगत का मेल किसी कमजोर मन को गलत रास्ते



की ओर धकेल सकता है। जब वर्षों की मेहनत के बाद भी अपेक्षित सफलता नहीं मिलती और परिवार की उम्मीदों का बोझ बढ़ता जाता है, तब कुछ युवा शॉर्टकट की तलाश में पड़ जाते हैं। दुर्भाग्य से अपराध की दुनिया उन्हें कम समय में अधिक पैसा, प्रभाव और पहचान का झूठा सपना दिखाती है।

अपराध की ओर बढ़ते युवाओं के पीछे एक बड़ा कारण समाज में सफलता को मापने का बदलता पैमाना भी है। आज कई जगह व्यक्ति की योग्यता, ईमानदारी और मेहनत से अधिक उसके पास मौजूद धन, महंगी गाड़ी, ब्रांडेड कपड़ों और सामाजिक प्रभाव को महत्व दिया जाने लगा है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज किया है। कुछ युवा इंटरनेट पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों, दबंगई दिखाने वालों और कानून को चुनौती देने वाली छवि बनाने वालों से प्रभावित हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि डर पैदा करना ही ताकत है और विवादों में नाम आना ही लोकप्रियता। रीलों, तस्वीरों और ऑनलाइन प्रचार के माध्यम से अपराधी छवि को प्रतिष्ठा में बदलने का प्रयास किया जाता है। वास्तविक जीवन में जिस व्यवहार के परिणाम जेल, मुकदमे और बर्बाद भविष्य के रूप में सामने आते हैं। यह प्रवृत्ति खतरनाक है, क्योंकि अपराध का महिमामंडन धीरे-धीरे गलत को सही और जोखिम को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने लगता है।

राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में संगठित आपराधिक गिरोहों, स्थानीय वर्चस्व की लड़ाई, पुरानी रंजिशों और बदले की भावना से जुड़ी घटनाएं भी युवाओं को प्रभावित करती हैं। कुछ लोग प्रभावशाली अपराधियों को अपना आदर्श मान बैठते हैं और उनके संपर्क में आकर छोटे-मोटे गैरकानूनी कामों से शुरुआत करते हैं। धीरे-धीरे यही संबंध गंभीर अपराधों तक पहुंच सकता है।

कहीं दोस्तों का दबाव होता है, कहीं जातीय या स्थानीय वर्चस्व की भावना, तो कहीं किसी पुराने विवाद का बदला लेने की जिद। हथियार रखना, धमकी देना या मारपीट करना उन्हें अपनी ताकत का प्रदर्शन लगता है, जबकि वे यह भूल जाते हैं कि कानून की नजर में ऐसी हरकतों का परिणाम गंभीर हो सकता है। बदले की आग में झुलसने वाला युवा अक्सर यह नहीं समझ पाता कि एक क्षण का गुस्सा पूरे परिवार की जिंदगी को वर्षों तक प्रभावित कर सकता है।

अर्थव्यवस्थाः फ्रांस में जनाक्रोश, महंगाई और व्यवस्था का संकट

फ्रांस में स्कूलों की बदहाली, जीवन-यापन की लगातार बढ़ती लागत और सरकारी नीतियों के प्रति असंतोष को लेकर सड़कों पर उतरी भीड़ ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर लोकतंत्र में आम नागरिकों की आवाज कितनी सुनी जा रही है। जब बड़ी संख्या में लोग अपनी बुनियादी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन करने को मजबूर हो जाएं, जब शिक्षा जैसी आवश्यक सेवा संकट से घिर जाए और जब महंगाई आम आदमी के जीवन को कठिन बना दे, तब सरकार के लिए इन परिस्थितियों को महज कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर खारिज करना उचित नहीं हो सकता। फ्रांस में शनिवार को जारी प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा, गिरफ्तारियों, आगजनी और तोड़फोड़ ने इस संकट की गंभीरता को उजागर किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, करीब साढ़े पांच लाख लोग सड़कों पर उतरे और कम से कम 1,200 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकार ने इसे हिंसा में बढ़ोतरी बताया, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए केवल हिंसा के दृश्यों पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे मौजूद सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारणों की पड़ताल भी उतनी ही जरूरी है।

फ्रांस दुनिया के उन देशों में गिना जाता है, जिन्होंने सामाजिक सुरक्षा, सार्वजनिक शिक्षा, श्रमिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रताओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। फ्रांसीसी गणराज्य की स्थापना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों पर हुई थी। इन आदर्शों ने न केवल फ्रांस के राजनीतिक जीवन को प्रभावित किया, बल्कि दुनिया के अनेक लोकतांत्रिक आंदोलनों को भी प्रेरणा दी। ऐसे देश में यदि बड़ी संख्या में नागरिक स्कूलों की स्थिति और रोजमर्रा के खर्चों को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तो यह केवल तत्कालीन सरकार के लिए चुनौती नहीं, बल्कि उस सामाजिक व्यवस्था के लिए भी चेतावनी है, जिसने नागरिकों को बेहतर जीवन का भरोसा दिया है। जब नागरिकों को यह महसूस होने लगे कि उनकी मेहनत के बावजूद उनका जीवन पहले से अधिक कठिन होता जा रहा है, तो व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास कमजोर पड़ने लगता है।

महंगाई आज केवल फ्रांस की समस्या नहीं है। दुनिया के अनेक देशों में भोजन, आवास, ऊर्जा, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं की लागत बढ़ने से आम परिवारों के बजट पर दबाव पड़ा है। आय में होने वाली वृद्धि जब आवश्यक खर्चों की बढ़ोतरी के मुकाबले कम पड़ जाती है, तो कामकाजी लोगों के सामने भी आर्थिक असुरक्षा का संकट खड़ा हो जाता है। कम आय वाले परिवारों के लिए यह स्थिति और अधिक गंभीर होती है, क्योंकि उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में खर्च हो जाता है। ऐसे में बचत, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं के लिए बहुत कम संसाधन बचते हैं। आर्थिक विकास के आंकड़े भले ही बेहतर दिखाई दें, लेकिन यदि आम नागरिक को अपनी जरूरतें पूरी करने में लगातार कठिनाई हो रही हो, तो विकास की वास्तविक सफलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

फ्रांस में जीवन-यापन की लागत को लेकर बढ़ता असंतोष इसी व्यापक समस्या की ओर संकेत करता है। महंगाई का प्रभाव केवल



फ्रांस दुनिया के उन देशों में गिना जाता है, जिन्होंने सामाजिक सुरक्षा, सार्वजनिक शिक्षा, श्रमिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रताओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। फ्रांसीसी गणराज्य की स्थापना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों पर हुई थी।

बाजार में वस्तुओं की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह लोगों के सामाजिक संबंधों, मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य के प्रति उनके विश्वास को भी प्रभावित करता है। जब परिवारों को किराया चुकाने, बिजली-पानी के बिल भरने और बच्चों की जरूरतें पूरी करने के बीच लगातार संतुलन बनाना पड़े, तो आर्थिक दबाव धीरे-धीरे सामाजिक असंतोष में बदल सकता है। विशेष रूप से युवा वर्ग के लिए रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य की संभावनाएं महत्वपूर्ण होती हैं। यदि उन्हें लगता है कि मेहनत और योग्यता के बावजूद अवसर सीमित हो रहे हैं, तो व्यवस्था के प्रति नाराजगी गहराने लगती है। सरकारों के लिए यह समझना आवश्यक है कि आर्थिक नीतियों का मूल्यांकन केवल बाजार की स्थिति से नहीं, बल्कि उनके सामाजिक प्रभावों से भी किया जाना चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम में स्कूलों की बदहाली का मुद्दा विशेष महत्व रखता है। शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का आधार होती है। सार्वजनिक स्कूल केवल बच्चों को पढ़ाने के संस्थान नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक समानता और अवसरों की बराबरी सुनिश्चित करने का माध्यम भी हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए सरकारी शिक्षा बेहतर भविष्य तक पहुंचने का सबसे महत्वपूर्ण रास्ता हो सकती है। यदि स्कूलों में शिक्षकों की कमी हो, भवनों की स्थिति खराब हो, शिक्षण संसाधन अपर्याप्त हों या बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में बाधाओं का सामना करना पड़े, तो इसका असर केवल वर्तमान पीढ़ी पर नहीं, बल्कि आने वाले दशकों पर भी पड़ता है। शिक्षा व्यवस्था की कमजोरी सामाजिक असमानता को बढ़ा सकती है और गरीब तथा संपन्न परिवारों के बच्चों के बीच अवसरों की खाई को और गहरा कर सकती है।

किसी भी सरकार के लिए शिक्षा पर होने वाला खर्च केवल आर्थिक व्यय नहीं, बल्कि भविष्य में किया गया निवेश है। यदि सार्वजनिक स्कूलों की समस्याओं को लगातार टाला जाता है, तो समाज में यह धारणा मजबूत होने लगती है कि सरकार नागरिकों की प्राथमिक जरूरतों को पर्याप्त महत्व नहीं दे रही। ऐसी स्थिति में शिक्षा को लेकर असंतोष व्यापक सामाजिक नाराजगी का हिस्सा बन सकता है। सरकार को यह देखना चाहिए कि स्कूलों की समस्याएं किन कारणों से पैदा हो रही हैं, संसाधनों का वितरण कितना न्यायसंगत है और सुधारों को प्रभावी बनाने के लिए किन कदमों की आवश्यकता है। केवल घोषणाओं और आश्वासनों से भरोसा बहाल नहीं होता। उसके लिए जमीन पर दिखाई देने वाले बदलाव जरूरी हैं।

हालांकि, जनता की नाराजगी और प्रदर्शन के अधिकार को स्वीकार करने का अर्थ हिंसा को उचित ठहराना नहीं है। पेरिस में दंगा रोधी पुलिस के साथ बड़े पैमाने पर हुई झड़पें, आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल, इमारतों में आगजनी तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ बेहद चिंताजनक घटनाएं हैं। लिमोज में टाउन हॉल में लगी भीषण आग के कारण छत का एक हिस्सा ढह जाना इस बात का उदाहरण है कि हिंसा किस तरह सार्वजनिक संपत्ति और नागरिक सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल सकती है। टाउन हॉल जैसे संस्थान स्थानीय लोकतंत्र के प्रतीक होते हैं। वे नागरिकों और प्रशासन के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

लूटपाट और तोड़फोड़ को जनसंघर्ष का स्वाभाविक हिस्सा मान लेना भी खतरनाक होगा। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना लोकतांत्रिक समाज की जिम्मेदारी है। किसी दुकान में आग लगाने या सार्वजनिक भवन को नुकसान पहुंचाने से महंगाई कम नहीं होती, स्कूलों की स्थिति बेहतर नहीं होती और न ही नागरिकों की आर्थिक कठिनाइयां दूर होती हैं। उलटे, ऐसे कृत्यों से स्थानीय कारोबार प्रभावित होता है, कर्मचारियों की आजीविका संकट में पड़ती है और सार्वजनिक संसाधनों की मरम्मत पर अतिरिक्त धन खर्च करना पड़ता है। कई बार हिंसा के कारण वास्तविक मांगें पीछे छूट जाती हैं और सार्वजनिक बहस का केंद्र केवल कानून-व्यवस्था बनकर रह जाता है। इससे उन नागरिकों की आवाज भी कमजोर पड़ती है, जो शांतिपूर्ण तरीके से अपनी समस्याएं सामने रखना चाहते हैं। दूसरी ओर, सरकारों को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि हिंसा की घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी अपने आप में प्रशासनिक कार्रवाई की सफलता का प्रमाण नहीं हो सकती।

दस करोड़ पौधों का दावा, सच की सोशल ऑडिट जरूरी



डॉ. सुनील शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान में इस बार दस करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाने का दावा किया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, ग्राम पंचायतों से लेकर विभिन्न विभागों तक ने पौधारोपण के आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। इन आंकड़ों को जोड़कर प्रदेश में बड़े पैमाने पर हरियाली बढ़ाने की तस्वीर प्रस्तुत की जा रही है। पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से यह निश्चित रूप से उत्साहजनक पहल है। राजस्थान जैसे प्रदेश में, जहां गर्मी की तीव्रता, पानी की कमी, मरुस्थलीकरण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां लगातार गंभीर होती जा रही हैं, वहां पौधारोपण का महत्व किसी से छिपा नहीं है। लेकिन इस उत्साह के बीच एक बुनियादी सवाल अपनी जगह कायम है। क्या वास्तव में दस करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं? यदि लगाए गए हैं तो उनमें से कितने पौधे जीवित हैं? और यदि इतने बड़े पैमाने पर पौधारोपण हुआ है तो क्या उसके प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं? इन सवालों का जवाब केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि स्वतंत्र और विश्वसनीय सामाजिक अंकेक्षण से ही मिल सकता है।

पौधारोपण और पौधों की गिनती, दोनों अलग-अलग बातें हैं। किसी स्थान पर पौधा लगा देना एक गतिविधि है, जबकि उस पौधे का जीवित रहना और बड़ा होकर वृक्ष बनना पर्यावरण संरक्षण का वास्तविक परिणाम है। यदि किसी अभियान में करोड़ों पौधे लगाए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन कुछ समय बाद उनमें से बड़ी संख्या सूख जाती है, तो कागज पर अभियान सफल दिखाई देने के बावजूद धरातल पर उसका अपेक्षित लाभ नहीं मिलता। इसलिए पौधारोपण की सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि कितने पौधे लगाए गए। यह देखना भी आवश्यक है कि कितने पौधों को उपयुक्त स्थान मिला, कितनों को पानी और सुरक्षा उपलब्ध कराई गई तथा कितने पौधे आज भी जीवित हैं।

राजस्थान की भौगोलिक और जलवायु संबंधी परिस्थितियां इस सवाल को और महत्वपूर्ण बना देती हैं। प्रदेश के अनेक हिस्सों में वर्षा सीमित और अनियमित होती है। गर्मियों में तापमान काफी बढ़ जाता है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर पहले से ही चिंता का विषय है। ऐसे में पौधारोपण के लिए केवल पौधे उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है। स्थानीय जलवायु के अनुकूल प्रजातियों का चयन, पौधों के बीच उचित दूरी, मिट्टी की प्रकृति, पानी की व्यवस्था और शुरुआती वर्षों में उनकी देखभाल भी जरूरी है। यदि इन बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता तो पौधारोपण का अभियान संख्या के लिहाज से बड़ा और परिणाम के लिहाज से कमजोर साबित हो सकता है।

दस करोड़ से अधिक पौधे लगाने का आंकड़ा अपने आप में बहुत बड़ा है। इतना बड़ा लक्ष्य हासिल करने के लिए व्यापक स्तर पर पौधों की आपूर्ति, परिवहन, गड्ढे खोदने, पौधे लगाने, पानी देने और उनकी देखरेख की



पौधारोपण और पौधों की गिनती, दोनों अलग-अलग बातें हैं। किसी स्थान पर पौधा लगा देना एक गतिविधि है, जबकि उस पौधे का जीवित रहना और बड़ा होकर वृक्ष बनना पर्यावरण संरक्षण का वास्तविक परिणाम है। यदि किसी अभियान में करोड़ों पौधे लगाए जाने का दावा किया जाता है।

व्यवस्था करनी पड़ती है। ग्राम पंचायतों, स्थानीय निकायों, वन विभाग और अन्य सरकारी विभागों की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में स्वाभाविक है कि जनता यह जानना चाहे कि इतने बड़े अभियान को किस प्रकार संचालित किया गया और इसके परिणामों का सत्यापन कैसे हुआ। यदि अलग-अलग विभागों और ग्राम पंचायतों से आंकड़े लेकर उन्हें जोड़ दिया गया है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि उन आंकड़ों की पुष्टि किस स्तर पर की गई। कहीं एक ही पौधारोपण को दो अलग-अलग योजनाओं या विभागों के आंकड़ों में शामिल तो नहीं कर लिया गया? कहीं लक्ष्य को उपलब्धि के रूप में तो दर्ज नहीं कर दिया गया? कहीं पौधों की आपूर्ति को ही पौधारोपण मानकर संख्या तो नहीं बढ़ा दी गई? ये सवाल किसी अभियान को बदनाम करने के लिए नहीं, बल्कि उसकी वास्तविक सफलता जानने के लिए जरूरी हैं।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारी आंकड़ों का महत्व है, लेकिन आंकड़ों की विश्वसनीयता उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। सरकार कोई लक्ष्य निर्धारित करती है और विभाग उसकी उपलब्धि की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था में यह स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब आंकड़े ही सफलता का प्रमुख आधार बन जाते हैं, तब उनकी स्वतंत्र जांच की आवश्यकता भी बढ़ जाती है। खासकर तब, जब अभियान का संबंध सार्वजनिक धन, प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण के भविष्य से हो। पौधारोपण जैसे अभियानों में यदि उपलब्धियों की गणना और उनका सत्यापन एक ही प्रशासनिक व्यवस्था के भीतर सीमित रह जाए, तो वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए बाहरी निगरानी का प्रबंध होना चाहिए। इससे न केवल आंकड़ों की पुष्टि होगी, बल्कि कमियों की पहचान कर भविष्य के अभियानों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

यहीं सोशल ऑडिट यानी सामाजिक अंकेक्षण की जरूरत सामने आती है। सामाजिक अंकेक्षण का मूल उद्देश्य सरकारी योजनाओं और उनके क्रियान्वयन को जनता के सामने पारदर्शी बनाना है। इसमें केवल फाइलों और रिपोर्टों की जांच नहीं होती, बल्कि संबंधित स्थानों पर जाकर वास्तविक स्थिति देखी जाती है। स्थानीय लोगों से जानकारी ली जाती है, सरकारी रिकॉर्ड का मिलान किया जाता है और सामने आए तथ्यों को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है। मनरेगा जैसी योजनाओं में सामाजिक अंकेक्षण के अनुभव बताते हैं कि जब लाभार्थियों और स्थानीय समुदाय को सरकारी कामकाज की जांच में भागीदार बनाया जाता है, तो पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के अवसर पैदा होते हैं। पौधारोपण अभियान में भी इसी तरह की व्यवस्था अपनाई जा सकती है।

राजस्थान में पौधारोपण की सोशल ऑडिट केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए। इसकी शुरुआत अभियान के दौरान लगाए गए पौधों का ग्राम पंचायतवार विवरण सार्वजनिक करने से की जा सकती है। प्रत्येक पंचायत और संबंधित विभाग को यह जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए कि किस गांव में कितने पौधे लगाए गए, किस स्थान पर लगाए गए, पौधों की कौन-कौन सी प्रजातियां थीं और उनकी देखरेख की जिम्मेदारी किसे दी गई। पौधारोपण स्थलों की स्पष्ट पहचान, तारीख सहित तस्वीरें, उपलब्ध होने पर भौगोलिक निर्देशांक और संबंधित रिकॉर्ड इस प्रक्रिया को विश्वसनीय बना सकते हैं। इन जानकारियों को सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए, ताकि नागरिक, सामाजिक संगठन, पर्यावरण कार्यकर्ता और शोधकर्ता भी उनकी जांच कर सकें।

इसके बाद चयनित स्थलों पर भौतिक सत्यापन होना चाहिए। यह सत्यापन केवल विभागीय कर्मचारियों तक सीमित न रहे, बल्कि इसमें स्थानीय नागरिकों, ग्राम सभाओं, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और पर्यावरण से जुड़े विशेषज्ञों को भी शामिल किया जा सकता है। प्रत्येक गांव में लगाए गए सभी पौधों की गिनती करना हर स्थिति में संभव न हो, तो वैज्ञानिक नमूना पद्धति के आधार पर अलग-अलग क्षेत्रों और पौधारोपण स्थलों का चयन किया जा सकता है। रेगिस्तानी क्षेत्रों, शहरी इलाकों, वन क्षेत्रों, सड़क किनारे लगाए गए पौधों और ग्रामीण सार्वजनिक भूमि पर हुए पौधारोपण को अलग-अलग श्रेणियों में जांचना उपयोगी होगा। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि अभियान के परिणाम किन परिस्थितियों में बेहतर रहे और कहां अधिक सुधार की आवश्यकता है।

राशिफल

क्या कहता है आपका भविष्यफल

मेष राशि: आज पैसों के मामले में थोड़ा संभलकर चलना ही समझदारी होगी। घर के खर्चों, पुराने बिलों या किसी पुराने वादे को पूरा करने में थोड़े पैसे लग सकते हैं। बस, अपना मूड अच्छा करने के लिए बेवजह की खरीदारी करने से खुद को रोकें। अगर कहीं निवेश करने की सोच रहे हैं, तो रातों-रात अमीर बनाने वाले वादों के चक्कर में न आएं, बल्कि उसके जोखिमों को अच्छे से समझ लें। बड़े अधिकारियों या अलग सोच रखने वाले साथियों से बात करते समय धीरज से काम लें।

वृष राशि: अपनी बचत और वित्तीय लक्ष्यों की समीक्षा करें। पढ़ाई और काम से जुड़े हुनर को बढ़ाने पर खर्च हो सकता है। कोई भी बड़ा खर्चा करने से पहले अपना बजट जांच लें। वक्री शुक्रदेव सलाह देते हैं कि पुराने फैसलों को दोबारा देखें और गैर-जरूरी खर्चों को रोकें। आपकी बातचीत और काम करने का तरीका जिम्मेदारियों को आसानी से पूरा करने में मदद करेगा। साथियों से चर्चा में अच्छे विचार मिल सकते हैं।

मिथुन राशि: पैसों के मामलों में आज ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होगी। परिवार की जरूरतों से जुड़े खर्चों को सही से संभालना पड़ेगा। किसी जाने-पहचाने व्यक्ति को भी बिना पक्की शर्तों के उधार न दें। बैंक खाते और नियमित खर्चों को देखने से बचत के नए रास्ते मिल सकते हैं। किसी कठिन काम को संभालना पड़ सकता है या पुराना रुका हुआ मुद्दा हल करना होगा। ग्रहों का गोचर एक साथ कई काम करने के बजाय एक-एक करके काम पूरे करने की सीख दे रहा है।

कर्क राशि: आपकी राशि में गुरुदेव हैं, जो आर्थिक सुरक्षा को लेकर बड़ी सोच देंगे, पर ज़मीन से जुड़े रहना भी उतना ही जरूरी है। साझे के खर्चों पर बात हो सकती है। जल्दबाजी में फैसले न लें। नीच के मंगलदेव के कारण उतावलापन आ सकता है, इसलिए खरीदारी से पहले थोड़ा रुकें। दफ्तर के रिश्तों को बहुत संभालकर चलाना होगा। किसी साथी या अधिकारी के फैसले पर आपकी राय अलग हो सकती है।

सिंह राशि: रोज के खर्चों और बकाये भुगतानों पर ध्यान दें। किसी बिल को चुकाना, नियमित खर्चों को देखना या महीने का बजट सही करना पड़ सकता है। केवल दिखावे के लिए फालतू पैसे खर्च न करें। बिना वजह जोखिम लेने से अच्छा है कि अपनी पुरानी बचत योजनाओं पर टिके रहें। काम में पहले से ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होगी। पुरानी गलती सुधारने या किसी साथी की मदद करने को कहा जा सकता है।

कन्या राशि: आर्थिक स्थिति सुधारने और दिनचर्या को बेहतर बनाने की इच्छा मन में रहेगी। शौक और परिवार की जरूरतों पर होने वाले खर्चों पर सोच-समझकर कदम उठाएं। आमदनी के नए रास्तों की तलाश करें, पर बिना जांची-परखी बातों पर भरोसा न करें। आपकी नई सोच किसी पुराने काम को बेहतर बनाने में मदद करेगी। लिखने-पढ़ने, सिखाने और चीजों को व्यवस्थित करने से जुड़े लोगों को सही तरीके से काम करने पर फायदा मिलेगा। दूसरों के सुझावों को खारिज न करें। किसी भी चर्चा के लिए पहले से पूरी तैयारी रखें।

तुला राशि: आपकी राशि में नीच के सूर्यदेव हैं और वक्री शुक्रदेव गोचर कर रहे हैं। इससे पैसों के फैसले थोड़े उलझे हुए लग सकते हैं। पुरानी खरीदारी या वादों पर दोबारा सोचना पड़ सकता है। बिना सोचे चीजें खरीदने से बचें और गैर-जरूरी खर्चों को अभी टाल देना ही सही रहेगा। अपनी उम्मीदों और दफ्तर की जरूरतों के बीच संतुलन बनाना होगा।

वृश्चिक राशि: छिपे हुए खर्चे या पुराने बकाया भुगतान आपका ध्यान खींच सकते हैं। बिना पूरी जानकारी के पैसों का कोई जोखिम न उठाएं। अगर लोन या साझे के पैसों पर बात चल रही है, तो शर्तों को बहुत ध्यान से पढ़ें। संभलकर चलना ही आगे की मुश्किलों से बचाएगा। अकेले रहकर ध्यान से काम करना आज आपको ज्यादा पसंद आएगा।

मकर राशि: चंद्रदेव आपकी ही राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इससे आप पैसों के फैसलों को खुद संभालने के लिए प्रेरित होंगे। बचत व्यवस्थित करने, बड़े खर्च को जांचने या भविष्य की जिम्मेदारियों की योजना बनाने का यह सही समय है। खुद पर ज्यादा सख्ती न बरतें और बजट में जरूरी चीजें शामिल रखें। अपने काम और तरक्की को लेकर मन पूरी तरह केंद्रित रहेगा। अपनी समय-सारणी बनाने और पेंडिंग काम पूरे करने के लिए दिन अच्छा है। नीच के सूर्यदेव के कारण बड़े अधिकारियों से बातचीत में थोड़ा संभलकर रहें। अपनी मेहनत से आप हर स्थिति को आसानी से संभाल लेंगे।

कुंभ राशि: तुरंत फैसले लेने के बजाय लंबे समय की योजनाओं को देखना ज्यादा फायदेमंद रहेगा। यात्रा, पढ़ाई या खुद को बेहतर बनाने पर होने वाले खर्चों को अपने बजट के हिसाब से ही तय करें। आधी-अधूरी जानकारी के दम पर कहीं भी पैसा लगाने से पूरी तरह बचें। आप अपने करियर की दिशा और अपने काम पर दोबारा विचार कर सकते हैं। इस समय का इस्तेमाल अपनी कमियों को दूर करने में करें। झुंझलाहट में आकर नौकरी से जुड़ा कोई अचानक फैसला न लें।

मीन राशि: साझे के पैसों, बकाये भुगतानों या परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों पर ध्यान देना होगा। ऐसे वादे न करें जिससे आपके बजट पर फालतू दबाव पड़े। बातों को अपने आप सुलझने की उम्मीद रखने के बजाय एक सही और आसान योजना बनाकर उस पर चलना बेहतर रहेगा। किसी बड़े काम को पूरा करने के लिए साथियों के साथ मिलकर चलना पड़ेगा।

मुड़तरा सिली में सातवें दिन गरबों की धूम, मां काली कलकत्ता वाली के भव्य दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

मुड़तरा सिली में सातवें दिन गरबों की धूम, मां काली कलकत्ता वाली के भव्य दर्शन को उमड़े श्रद्धालु



दैनिक सम्राट संवाददाता

रामसीन (राजू सिंह राव)। निकटवर्ती मुड़तरा सिली गांव में श्री शीतला माता नवयुवक मंडल के तत्वावधान में आयोजित शारदीय नवरात्रि महोत्सव के सातवें दिन गरबों की धूम रही। शीतला माता मंदिर प्रांगण में मां काली कलकत्ता वाली के भव्य दर्शन के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर परिसर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा और पूरे वातावरण में भक्तिमय माहौल बना रहा।

गरबों की प्रस्तुतियों पर झूमे श्रद्धालु

नवरात्रि महोत्सव के दौरान गायक कलाकार प्रकाश गेहलोत और दीपिका गेहलोत, आहोर, एंड पार्टी तथा मिलन म्यूजिकल ग्रुप, भीनमाल की ओर से शानदार गुजराती गरबों की प्रस्तुतियां दी गईं। पंखिड़ा ओ पंखिड़ा और उड़ ना जा जो पावागढ़ जैसे गरबों की धुन पर देवी-देवताओं की आकर्षक वेशभूषा धारण किए प्रतिभागियों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। गरबों की धुन और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। आयोजन के दौरान मां काली के स्वरूप के दर्शन आकर्षण का केंद्र रहे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष देवाराम प्रजापत, उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन, मुफाराम प्रजापत, सचिव गोविंद देवासी, तेजाराम पुरोहित, मंगल पुरोहित, राजू सुथार, मोटाराम पुरोहित, भीमसिंह चौहान, धनराम चौधरी, जगदीश कुमार राव, जोगाराम सुथार, लाखाराम चौधरी, जालम सिंह, सोनू सैन, उम्मेद प्रजापत, जवाराम प्रजापत, सुरेश पुरोहित, कैलाश राव, महेंद्र राव, उकाराम राव, मदन राव, किरण राव और जगदीश सैन सहित शीतला माता नवयुवक मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं ठाकुरजी महाराज की ओर से कमलदास महाराज, शीतला माता मंदिर के पुजारी कन्यालाल रावल और प्रकाश श्रीमाली भी उपस्थित रहे।

सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के किए पुख्ता इंतजाम

श्री शीतला माता नवयुवक मंडल के अध्यक्ष देवाराम प्रजापत ने बताया कि नवरात्रि महोत्सव को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए हैं। मंदिर परिसर में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जा रही है। आयोजन में महिलाओं और पुरुषों के बैठने के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महात्मा ज्योतिबा फुले माली शिक्षण संस्थान में समारोह, उपाध्यक्ष मफी देवी माली सहित पार्षदों का साफा व माला पहनाकर स्वागत; छात्रावास विकास में सहयोग देने वाले दानदाता सम्मानित

माली समाज छात्रावास में नवनिर्वाचित चेयरमैन मनोज गुप्ता का भव्य बहुमान, भामाशाहों का हुआ सम्मान

दैनिक सम्राट संवाददाता



भीनमाल (विक्रम राठी)। महात्मा ज्योतिबा फुले माली शिक्षण संस्थान माली समाज छात्रावास, भीनमाल में नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष मनोज गुप्ता, उपाध्यक्ष मफी देवी लालाराम परमार, पार्षदों एवं समाज के भामाशाहों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं, छात्रावास के विकास में उल्लेखनीय सहयोग देने वाले भामाशाहों का भी बहुमान किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों, संस्थान के पदाधिकारियों और युवाओं ने भाग लिया।

समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष मनोज गुप्ता का विशेष स्वागत किया गया। संस्थान के पदाधिकारियों ने उन्हें नगर पालिका अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए शहर के विकास और सामाजिक संस्थाओं के उत्थान में सकारात्मक भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मफी देवी लालाराम परमार, डॉ. दिनेश कुमार माली, किशोर कुमार सांखला, पुष्पादेवी ओमप्रकाश परमार, युवा पार्षद पंकज माली तथा पार्षद बगाराम मेघवाल का भी सम्मान किया गया।

छात्रावास के विकास में भामाशाहों का योगदान सराहा

समारोह में समाज की शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में भामाशाहों के योगदान की सराहना की गई। छात्रावास में विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहयोग देने वाले दानदाताओं का संस्थान की ओर से विशेष बहुमान किया गया।

मुख्य भामाशाह मुकेश हंजारीमल परमार द्वारा छात्रावास के लिए 10 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र उपलब्ध करवाने, किशन डायाराम परमार (केडीएम) द्वारा भोजन कक्ष के लिए फर्नीचर तथा गिरधारीलाल चेलाराम सुंदेशा द्वारा 40 बिस्तरों की व्यवस्था करवाने के उपलक्ष्य में उनका सम्मान किया गया। इन सहयोगों से छात्रावास में विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं के विस्तार में मदद मिली है।

समाज की एकजुटता और शिक्षा पर दिया जोर

संस्थान के अध्यक्ष भारताराम सुंदेशा, सचिव मास्टर सुरेश कुमार सोलंकी, कोषाध्यक्ष बाबूलाल सुंदेशा तथा उपाध्यक्ष सांवलाराम सुंदेशा ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान के संरक्षक एवं पूर्व न्यायाधीश भलाराम ने अपने संबोधन में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई दी और छात्रावास के विकास में सहयोग देने वाले भामाशाहों के योगदान की सराहना की। उन्होंने सामाजिक एकजुटता, शिक्षा और समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस दौरान सब्जी मंडी अध्यक्ष छतराराम सुंदेशा, रामाराम परमार, मसराराम सांखला, भंवरलाल (भीरू ग्रुप), भंवरलाल (शिवशक्ति), ओखाराम परमार, मनाराम सुंदेशा, बाबूलाल सुंदेशा, गुलाबचंद परमार सहित संस्थान की कार्यकारिणी के सदस्य, माली समाज के गणमान्य नागरिक और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। समारोह सामाजिक सहभागिता, जनप्रतिनिधियों के सम्मान और छात्रावास विकास में सहयोग देने वाले दानदाताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर बना।

राजपूत समाज कर्नाटक में मां चामुंडा माताजी की पूजा-अर्चना एवं आरती की



दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। राजपूत समाज कर्नाटक की ओर से शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर अष्टमी के दिन मां चामुंडा माताजी की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। धार्मिक आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा तथा श्रद्धालुओं ने मां चामुंडा माताजी के दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर आरती के लाभार्थी शेरसिंह राठौड़ अरणु रहे। उनके लाभार्थी बनने पर मां चामुंडा माताजी की आरती उतारी गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से माता की आराधना करते हुए परिवार, समाज और देश की उन्नति, शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

कार्यक्रम में राजपूत समाज कर्नाटक के अध्यक्ष जबरसिंह दहिया, राजस्थान राजपूत संघ के अध्यक्ष सुजानसिंह भाटी, हीरसिंह परमार, विजयसिंह परमार, प्रवीणसिंह राठौड़, डूंगरसिंह राठौड़, धनसिंह राठौड़, महीपालसिंह चौहान, वीरेंद्रसिंह भायल, दलपतसिंह भायल, श्रीपालसिंह राठौड़,शेरसिंह राठौड़, राजूसिंह झाला राठौड़,राजू भाई सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भीनमाल में 23 अक्टूबर को सजेगी भव्य गरबा नाइट, गायिका हिना सुथार की प्रस्तुति रहेगी खास आकर्षण

श्री कुलदेवी इवेंट्स के तत्वावधान में प्रजापति पार्टी प्लॉट में होगा आयोजन, संगीत और गरबा की रंगीन शाम में झूमने का मिलेगा अवसर

दैनिक सम्राट संवाददाता



भीनमाल (विक्रम राठी)। शहर में गरबा और संगीत प्रेमियों के लिए 23 अक्टूबर को एक विशेष संगीतमय शाम का आयोजन होने जा रहा है। श्री कुलदेवी इवेंट्स के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 'गरबा नाइट भीनमाल' में गायिका हिना सुथार अपनी प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम रात 8 बजे प्रजापति पार्टी प्लॉट, भीनमाल में आयोजित होगा। आयोजन को लेकर जारी पोस्टर में हिना सुथार की प्रस्तुति को प्रमुख आकर्षण के रूप में दर्शाया गया है।

गरबा नाइट में पारंपरिक लोकसंगीत, गरबा की लय और उत्सवी माहौल के बीच शहरवासियों को मनोरंजन का अवसर मिलेगा। गरबा भारतीय लोकसंस्कृति की ऐसी परंपरा है, जिसमें संगीत, नृत्य और सामूहिक सहभागिता के माध्यम से उत्सव की खुशियां साझा की जाती हैं। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान, गरबा की ताल और संगीत की धुन इस तरह के आयोजनों को खास बनाते हैं।

हिना सुथार की प्रस्तुति रहेगी आकर्षण

कार्यक्रम में गायिका हिना सुथार की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रहेगी। उनके मंच पर आने के साथ ही आयोजन में संगीत और गरबा का उत्साह देखने को मिलेगा। गरबा प्रेमियों को एक ही स्थान पर संगीत और नृत्य का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। आयोजन का उद्देश्य शहर में सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के साथ लोगों को मनोरंजन का अवसर उपलब्ध कराना है।

पारंपरिक संस्कृति को मिलेगा मंच

गरबा नाइट जैसे आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि लोकसंस्कृति और पारंपरिक नृत्य को आगे बढ़ाने में भी भूमिका निभाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में युवा पीढ़ी को पारंपरिक संगीत और सामूहिक नृत्य से जुड़ने का अवसर मिलता है। साथ ही परिवारों और मित्रों के साथ उत्सव का आनंद लेने के लिए एक सांस्कृतिक मंच भी उपलब्ध होता है।

जयकारों के बीच सुंधा माता धाम के लिए रवाना हुआ 150 श्रद्धालुओं का पैदल संघ

संतोषी माता मंदिर से शुरू हुई यात्रा, ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूमते हुए निकले श्रद्धालु; जगह-जगह हुआ स्वागत



दैनिक सम्राट संवाददाता

भीनमाल (विक्रम राठी)। मां सुंधा माताजी के प्रति अटूट आस्था और भक्ति का उत्साह रविवार को भीनमाल में देखने को मिला। स्थानीय संतोषी माता मंदिर प्रांगण से करीब 150 श्रद्धालुओं का पैदल संघ मां सुंधा माताजी के धाम के लिए रवाना हुआ। संघ में युवा, बुजुर्ग और व्यापारी वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान पूरा वातावरण माता के जयकारों से भक्तिमय हो गया।

पैदल यात्रा की शुरुआत संतोषी माता मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के साथ हुई। इसके बाद श्रद्धालु ध्वजा लेकर मां सुंधा माताजी के जयकारे लगाते हुए नगर की गलियों से आगे बढ़े। ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए यात्रा में शामिल हुए। श्रद्धालुओं के चेहरे पर उत्साह और मन में माता के दर्शन की लालसा दिखाई दी।

पार्षद प्रतिनिधि देवाराम चौहान ने बताया कि इस बार पैदल संघ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रही। श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मां सुंधा माताजी के धाम पहुंचकर सामूहिक दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे।श्रद्धालु सुरेश भाटी सेवाड़ा ने बताया कि मां सुंधा माताजी के प्रति उनकी गहरी आस्था है। हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ पैदल संघ में शामिल होकर धाम की ओर रवाना हुए हैं।

ये रहे मौजूद: इस अवसर पर पुनमाराम परमार, मूलचंद सोलंकी, जबराराम चौहान, दिनेश माली, सावलाराम घांची, बगदाराम सुंदेशा, भंवरलाल चौहान, बगदाराम घांची, बाबूलाल भाटी, दिनेश परमार, पारसमल परमार, गौतम, बाबूलाल, लक्ष्मण माली, राजू सोलंकी, हीरालाल चौहान, उत्तमसिंह भाटी, घेवाराम चौहान, भरत कुमार, मूलचंद सुंदेशा, ललित भाटी और जितेंद्र भाटी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं व्यापारी शामिल हुए।

विजयनगर में गणेश उत्सव एवं नवरात्रि कार्यक्रम में शामिल हुए महेंद्र मुणोत

दैनिक सम्राट संवाददाता



बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। विजयनगर क्षेत्र में नागरिकों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव एवं नवरात्रि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणपति के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में भी सेवा प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों ने महेंद्र मुणोत का सम्मान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। धार्मिक उत्सव के दौरान श्रद्धा, भक्ति और सेवा भावना का वातावरण रहा। अन्नदान कार्यक्रम के माध्यम से सेवा और सामाजिक सहयोग का संदेश दिया गया। आयोजकों ने कार्यक्रम में शामिल होकर सहयोग प्रदान करने के लिए महेंद्र मुणोत का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

बेंगलुरु में पूज्य आयुवान सिंह हुडिल की जयंती पर शौर्य स्पर्धा का आयोजन संपन्न

राजपूत समाज भवन, राणासिंहपेट में आयोजित कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं मातृशक्ति ने लिया भाग

दैनिक सम्राट संवाददाता



बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दक्षिण भारत प्रांत के बेंगलुरु मंडल द्वारा संघ के द्वितीय संघ प्रमुख श्रद्धेय पूज्य आयुवान सिंह हुडिल की जयंती के उपलक्ष्य में 18 अक्टूबर को राजपूत समाज भवन, राणासिंहपेट, बेंगलुरु में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शौर्य स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के लोगों एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन युवराज सिंह धानसा ने किया। इस दौरान विजय प्रताप सिंह रायरा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्ति को जो भी कार्य करना चाहिए, उसे पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ करना चाहिए। पूज्य आयुवान सिंह जी हुडिल ने अपना संपूर्ण जीवन समाज और संघ के कार्यों के लिए समर्पित किया। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना चाहिए।

पंचायत चुनाव 2026: टिकट वितरण पर भाजपा में घमासान, देवासी समाज ने खोला मोर्चा

भीनमाल में महासम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, टिकट कटने से नाराज समाज ने उठाए सवाल; कोर कमेटी तय करेगी आगे की रणनीति



भीनमाल (विक्रम राठी)। पंचायत चुनाव 2026 से पहले जालोर जिले में भाजपा के टिकट वितरण को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। टिकटों में बदलाव को लेकर शुरू हुई नाराजगी अब सामाजिक लामबंदी के रूप में सामने आने लगी है। रविवार को भीनमाल स्थित माली समाज धर्मशाला, क्षेमंकरी माताजी तलहटी में आयोजित देवासी समाज के महासम्मेलन में बड़ी संख्या में समाजबंधु जुटे। सम्मेलन में भाजपा के टिकट वितरण को लेकर खुलकर नाराजगी जताई गई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश स्तर पर नाम तय होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर बदलाव कर समाज के प्रमुख दावेदारों को टिकट से वंचित कर दिया गया।

महासम्मेलन में खेमराज देसाई, भारताराम देवासी, नवाराम देवासी भोपाजी सहित समाज के अन्य दावेदारों के टिकट कटने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। वक्ताओं ने पूर्व विधायक पूराराम चौधरी और सांचौर विधायक जीवाराम चौधरी पर टिकट कटवाने में भूमिका निभाने के आरोप लगाए। इन आरोपों के बीच भाजपा के स्थानीय संगठन और टिकट वितरण प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए गए। समाज के वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से पार्टी का सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित किए जाने से असंतोष बढ़ा है।

समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी पर उठे सवाल

जवानाराम देवासी ने कहा कि समाज को राजनीतिक निर्णयों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एकजुट रहना होगा। उन्होंने समाजबंधुओं से पंचायत चुनाव में सामूहिक विचार-विमर्श के आधार पर निर्णय लेने का आह्वान किया। हरियादेवी देवासी ने कहा कि समाज के लोगों ने मेहनत और संघर्ष से विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में समाज को अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिला। उनके अनुसार, अब समाज को अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर सामूहिक निर्णय करना होगा।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग

भारताराम देवासी ने कहा कि देवासी समाज शिक्षा, संस्कार और व्यवसाय सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। समाज के युवाओं में भी नेतृत्व क्षमता विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रमुख पद को लेकर समाज को प्रतिनिधित्व की उम्मीद थी, लेकिन टिकट वितरण के अंतिम चरण में हुए बदलाव से निराशा हुई। अखिल भारतीय देवासी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष खेमराज देसाई ने सम्मेलन में कहा कि प्रदेश भाजपा की ओर से देवासी समाज को सात टिकट दिए जाने की बात सामने आई थी, लेकिन बाद में प्रमुख दावेदारों के टिकट काटे जाने से नाराजगी बढ़ गई।

'खेमराज देसाई का ही नहीं, पूरे समाज के सम्मान का सवाल'

भावेश देवासी ने कहा कि यह मामला केवल खेमराज देसाई का टिकट कटने तक सीमित नहीं है, बल्कि देवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सम्मान से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि समाज की लाल पगड़ी उसकी अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक है। टिकट वितरण के घटनाक्रम से समाज के लोगों में नाराजगी है और इस विषय को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

महादेवाराम देसाई ने कहा कि जिला प्रमुख पद के लिए देवासी समाज के कई लोगों ने दावेदारी प्रस्तुत की थी। खेमराज देसाई, भारताराम देवासी और नवाराम देवासी भोपाजी सहित अन्य दावेदारों को उम्मीद थी कि उन्हें प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश स्तर पर नामों को लेकर सहमति बनने की जानकारी के बाद भी अंतिम सूची में बदलाव किया गया। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम में पूराराम चौधरी और जीवाराम चौधरी की भूमिका पर सवाल उठाए।

भाजपा के स्थानीय समीकरणों पर टिकी नजरें

महासम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि जालोर जिले में देवासी समाज की राजनीतिक भागीदारी को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। टिकट वितरण में पारदर्शिता, स्थानीय नेतृत्व की भूमिका और प्रदेश स्तर पर तय नामों में बदलाव को लेकर उठे सवाल अब चर्चा के केंद्र में हैं।

पंचायत चुनाव 2026 से पहले टिकट वितरण को लेकर सामने आया यह विवाद भाजपा के भीतर संगठनात्मक असहमति और सामाजिक प्रतिनिधित्व की मांग को रेखांकित करता है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि भाजपा नेतृत्व इस नाराजगी पर क्या प्रतिक्रिया देता है और देवासी समाज की कोर कमेटी आगे क्या निर्णय लेती है।

टिकट वितरण ने खोली संगठन की अंदरूनी कलह

पंचायत चुनाव में टिकटों को लेकर उठा विवाद अब केवल उम्मीदवारों की दावेदारी तक सीमित नहीं रहा। महासम्मेलन में वक्ताओं ने इसे समाज के सम्मान, राजनीतिक भागीदारी और संगठन में कार्यकर्ताओं की भूमिका से जोड़कर उठाया। उनका कहना था कि यदि प्रदेश स्तर पर नाम तय होने के बाद अंतिम सूची में बदलाव किया गया है, तो इसकी वजह स्पष्ट होनी चाहिए।

महासम्मेलन में ये रहे उपस्थित: सम्मेलन का संचालन सगन देवासी ने किया। इस दौरान वागाराम देवासी, ओबाराम देवासी, हाजाराम देवासी, संदीप देसाई, डॉ. रमेश देवासी, निंबाराम देवासी, टीकमाराम देवासी, वजाराम देवासी, मालाराम देवासी, भोमाराम देवासी, वरिगाराम देवासी, अर्जुन देवासी, मोडाराम, सवाराम, मगाराम, सावलाराम, हरजीराम, कलाराम, नरिंगाराम, मैसाराम सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

रामलीला मंचन के दौरान प्रभु श्री राम ने की रामेश्वरम महादेव की स्थापना

दैनिक सम्राट संवाददाता



इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। संतों की नगरी इटावा में श्री आदर्श रामलीला संस्थान द्वारा आयोजित हो रही रामलीला मंचन में दसवें दिन के अवसर पर प्रभु राम का सेना लेकर समुद्र के किनारे जाना, राम जी की सेना का आगमन सुनकर रावण क्रोधित हुआ। मंदोदरी, विभीषण द्वारा रावण को समझाना, रावण द्वारा विभीषण का देश निकाला, विभीषण का रामा दल में शरण लेना, प्रभु श्री राम द्वारा समुद्र को बांधना, सेतुबन्ध रामेश्वरम की प्रभु राम द्वारा स्थापना करना, रावण-विभीषण संवाद सहित कई प्रसंगों का मंचन हुआ, जिसको दर्शकों ने खूब सराहा, हर हर महादेव से गूंज उठा पांडाल।

व्यासपीठ आचार्य नवल किशोर शर्मा ने वैदिक मंत्रों से संस्थान अध्यक्ष वेद प्रकाश नागर, महामंत्री हेमंत नागर, प्रेस प्रवक्ता चेतन बंसल, राकेश गौतम, रतन जांगिड़, द्वारा रामायण जी की पूजा अर्चना करवाकर रामलीला मंचन का शुभारंभ किया। लीला में आगे विभीषण की राम भक्ति से नाराज रावण उनको देश निकाला दे देता है। इसके बाद विभीषण प्रभु श्रीराम के पास पहुंचते हैं। श्रीराम उनको अपनी शरण में ले लेते हैं। इसके बाद वानर सेना के साथ श्रीराम-लक्ष्मण समुद्र के किनारे जाते हैं और समुद्र से रास्ता मांगते हैं।

प्रवक्ता चेतन बंसल ने बताया कि विनती के बाद भी जब समुद्र रास्ता नहीं देता है तो क्रोधित होकर श्रीराम अपने धनुष पर बाण चढ़ाते हैं और डरा हुआ समुद्र श्रीराम के समक्ष प्रकट होता है और क्षमा प्रार्थना करता है। साथ ही मार्ग भी देता है।इसके बाद श्रीराम समुद्र तट पर ही भगवान शंकर का पूजन कर रामेश्वरम महादेव की स्थापना करते हैं और कहते हैं ते तनु तजि मम लोक सिधरिहही। जो गंगाजलु आनि चढ़ाइही। सो साजुज्य मुक्ति नर पाइही। जो मनुष्य रामेश्वरम का दर्शन करेंगे, वे शरीर छोड़कर मेरे लोक को जायेंगे और जो गंगाजल लाकर इन पर चढ़ावेगा, वह मनुष्य सायुज्य मुक्ति पावेगा।

इस दौरान दर्शकों ने हर हर महादेव के जय घोष से पांडाल गुंजायमान कर दिया। समापन होने के बाद किए गये संवाद में से 3 प्रशन किये जाते हैं। उतर देने वाले को संस्था की ओर से उपहार दिया जाता है। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष वेद प्रकाश नागर उपाध्यक्ष प्रतीक सिंघल, महामंत्री हेमन्त नागर, कोषाध्यक्ष रवि जांगिड़, प्रेस प्रवक्ता चेतन बंसल गिरधारी नागर, मुरलीधर पारेता, दीपक पारेता, ओम नागर, महेश नागर, प्रमोद कोठारी जिनेन्द्र शर्मा,जसवीर जांगिड़, मुकेश बंसल, मनीष पंकज, भूनेश मीणा, रतन जांगिड़, कृष्णमुरारी नागर, मुरली नागर, बंटी मीणा, आयुष कोठारी राजेन्द्र प्रजापति, बृजमोहन नागर, लोकेश शर्मा, लकी गर्ग, विजय नागर, हुक्म चन्द नागर सुनील बड़ौलिया, केशव गौतम चंदू जांगिड़, पतलु नागर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांसखोह में कई मोहल्लों में नहीं पहुंचती हूपर, घरों में लगे कचरे के ढेर

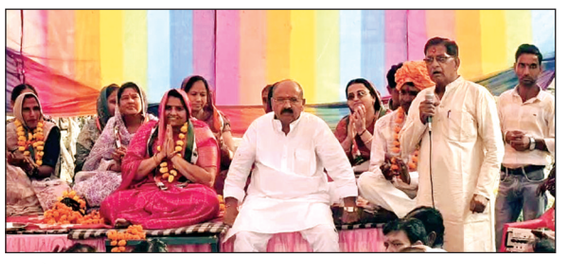


दैनिक सम्राट संवाददाता

बांसखोह (प्रदीप चतुर्वेदी)। बांसखोह कस्बे में घर-घर कचरा संग्रहण को लेकर ग्राम पंचायत की हूपर व्यवस्था भले ही कागजों में पूरी हो चुकी हो, लेकिन जमीन पर अभी काफी काम की जरूरत है। पैसा खर्च होने के बाद भी कचरा संग्रहण व्यवस्था में सुधार की दरकार है। चौपड़ मोहल्ला, पीपली वाला मोहल्ला, बालाजी मोहल्ला, बाहरली बांसखोह,कलाल मोहल्ला, बैंक ऑफ इण्डिया के पास सहित कई मोहल्लों में कचरा संग्रहण गाड़ी अपनी मनमर्जी से आती है जिससे घरों में कचरे के ढेर लग जाते है। स्थानीय निवासी शैलेश मामोडिया ने बताया की कचरा वाहन हूपर कभी-कभार ही आता है। लोग इन दिनों घरों में दीपावली की साफ-सफाई कर रहे हैं। लोग हूपर के इंतजार में कचरा बाहर नहीं डालने के बजाय घरों ने ही संग्रहित कर लेते है। ऐसे में घरों में कचरे और गंदगी के ढेर लग जाते है। अमूमन घरों में गीला और सूखा कचरा एक ही डस्टबिन में डाला जाता है। इसके कारण यह कचरा पड़ा-पड़ा सड़ जाता है और दुर्गंद फैल जाती है। जिससे लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो जाता है साथ ही मच्छर जनित बीमारिया का खतरा भी बढ़ जाता है।

आने का नीयत समय नहीं: दिनेश घीया ने बताया की कचरा उठाने वाली हूपर गाड़ी नियमित नहीं आती। कभी-कभार आती भी है तो उसका कोई समय नहीं होता। ऐसे में लोगों को पता ही नहीं चलता की आती भी है तो रूकती नहीं लगातार चलती रहती है। लोग डस्टबिन ले घर के बाहर आते है इतने में गाड़ी दूर चली जाती है और वे कचरा गाड़ी में नहीं डाल पाते। इस संबंध में दैनिक सम्राट संवाददाता ने ग्राम विकास अधिकारी भूपेश कुमार एवं राजीविका सफाई ठेकेदार पूनम यादव से सर्म्पक किया उन्होंने फोन रिसीव नही किया।

गुंजल ने जिला परिषद सदस्य वार्ड नंबर 19 हेमलता ननवाना के पक्ष में जनसंपर्क किया



दैनिक सम्राट संवाददाता

इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। इटावा पंचायत समिति कांग्रेस सदस्यजिला परिषद कोटा वार्ड नंबर 18 सरोज मीणा व वार्ड नंबर 19 की प्रत्याशी हेमलता ननवाना के पक्ष में वार्ड के गांव में पहुंचे और विधायक प्रहलाद गुंजल ने हेमलता ननवाना के पक्ष में शहनावदा पीपल्दा कला करवाड डूंगरली खेड़ली बेरिसाल वहीं वार्ड 18 की जिला परिषद सदस्य सरोज मीणा के खेरली बोरदा ,कजलिया पीपलदा खुर्द, चान्दा अयाना विजयपुरा, अरनिया, हरिपुरा निमोदा खेड़ा लक्ष्मीपुरा, लुहावद, ख्यावदा पहुंच कर सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने की अपील की।

गुंजल की जनसभा में पूर्व उप जिला प्रमुख मनोज शर्मा, त्रिलोक पारेता, पूर्व जिला परिषद सदस्य उमा सिंघल, संजय ननवाना, लुकमान पठान, एडवोकेट राजेंद्र मीणा, भरत मीणा, अशोक गौड़, हजारीलाल गुर्जर, रामस्वरूप गुर्जर उपस्थित रहे। सभी ने कांग्रेस प्रत्याशियों को भारी मतों से विजय बनाने की अपील की।

नवरात्रि महोत्सव में छात्र-छात्राओं ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

डांडिया प्रतियोगिता में खुशी एंड ग्रुप ने हासिल किया प्रथम स्थान

दैनिक सम्राट संवाददाता

सायला (प्रियंक दवे)। सायला स्थित सायला कॉलेज में नवरात्रि महोत्सव के तहत आयोजित दो दिवसीय डांडिया महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का शनिवार को हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। डांडिया एवं गरबा की प्रस्तुतियों से महाविद्यालय परिसर उत्सवमय हो गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ललित ठाकुर, डॉ. जोगराज सिंह पंवार, भगवान महावीर स्नातकोत्तर महाविद्यालय सांचौर के प्राचार्य, अशोक कुमार गर्ग, ब्लॉक साक्षरता अधिकारी सायला तथा सायला कॉलेज के प्राचार्य सुनील भादव ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित करके किया।



मनमोहक प्रस्तुतियां: कार्यक्रम प्रभारी ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की छात्रा करिश्मा राजपुरोहित ने गणेश वंदना पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुति देकर की। छात्र संजय सिंह ने महाकाल भस्म आरती एवं महाकाली रक्त अभिषेक पर आधारित शानदार प्रस्तुति दी।

इसके बाद योगिता एवं नीतू ने मेलड़ी गीत, नीका कुमारी ने राजस्थानी लोकनृत्य घूमर तथा खुशी दवे एवं नगीना बानो ने छात्र-छात्राओं ने दी रणछोड़ रंगीला और ढोली थारो ढोल गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। अश्विनी रावल ने राजस्थानी गीतों, वर्षा एवं दाइमी कुमारी ने रीमिक्स गीतों तथा उमिया कुमारी ने नवरात्रि गरबा के मिश्रित गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। वहीं, खुशी राजपुरोहित ने हिंदी गीतों पर नृत्य किया। सरस्वती राजपुरोहित एवं भावना ने पहाड़ी रमती आने गीत पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने डांडिया एवं गरबा नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

डांडिया प्रतियोगिता में इन समूहों ने मारी बाजी: डांडिया प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में खुशी एंड ग्रुप ने प्रथम, चन्द्रिका एंड ग्रुप ने द्वितीय तथा सरस्वती एवं भावना ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता समूहों को नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

अतिथियों ने विद्यार्थियों का किया उत्साहवर्धन: समापन समारोह में मुख्य अतिथि ललित ठाकुर ने छात्राओं की शिक्षा पर जोर देते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं, डॉ. जोगराज सिंह पंवार ने छात्र-छात्राओं को नियमित अध्ययन के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन सवाईदान एवं गोपाल सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का स्टाफ, छात्र-छात्राएं, गणमान्य नागरिक एवं अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जनसंपर्क में उमड़ा जनसमर्थन, कांग्रेस की जीत का संकल्प!



दैनिक सम्राट संवाददाता

इटावा/सुल्तानपुर (ओमप्रकाश जगरोटिया)। जिला परिषद सदस्य कोटा वार्ड न. 23 की कांग्रेस प्रत्याशी निकिता हाड़ा जी, जिला परिषद सदस्य वार्ड न.25 कीर्ति गौयम कांग्रेस पार्टी एवं पंचायत समिति सुल्तानपुर के वार्ड 17 से मधुसूदन शर्मा जी, वार्ड 14 से रामस्वरूप मीणा, वार्ड न. 16 से सुरजा बाई प्रजापत तथा वार्ड 15 से सुशीला यादव के समर्थन में पीपल्दा विधायक चेतन पटेल ने बड़ौद, बगावदा, धनवा, मोरपा, मंडावरा एवं बांया में नुक्कड़ सभाओं एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन से संवाद किया, जिसमें अल्पसंख्यक ब्लॉक अध्यक्ष शेख इरशाद साथ रहे।

जनता का मिल रहा अपार स्नेह, समर्थन और विश्वास कांग्रेस प्रत्याशियों की मजबूती का प्रतीक है। जनहित, विकास और जनता की आवाज को बुलंद करने के संकल्प के साथ कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी मजबूती से मैदान में है।

खेतड़ी पुलिस की बड़ी कारवाई:

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बजरी भरी ट्राली जब्त

दैनिक सम्राट संवाददाता



खेतड़ी (विजेश कुमार गुप्ता)। खेतड़ी पुलिस ने बड़ी कारवाई करते वृताधिकारी राजेन्द्र बुरड़क के निकट सुपरविजन एवं खेतड़ी थानाधिकारी बुद्धी प्रसाद के नेतृत्व में कारवाई करते हुए बिना नम्बरी ट्रेक्टर मय बजरी भरी ट्राली जब्त की।

थानाधिकारी बुद्धी प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 अक्टूबर को नाकेबंदी के दौरान बिना नम्बरी ट्रेक्टर ट्राली बजरी भरा हुआ आया। ट्रेक्टर चालक को रुकवाकर जब नाम व पता पुछा गया तो उसने अपना नाम लाखन सिंह निवासी सोलंकी की ढाणी तन मेहाडा जाटूवास होना बताया। चालक लखन सिंह को ट्रैक्टर ट्रॉली में भारी बजरी के संबंध में रॉयल्टी /रवन्ना /अनुज्ञा पत्र के बारे में पूछा तो अपने पास कोई रॉयल्टी/रवन्ना/अनुज्ञा पत्र नहीं होना बताया चालक द्वारा बिना रवन्ना/रॉयल्टी /अनुज्ञा पत्र के बजरी का अवैध खनन कर चोरी कर ले जाने पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया तथा आरोपी लखन सिंह को गिरफ्तार किया गया। गठित टीम में राजेश कुमार, हेमंत कुमार, जीतराम शामिल रहे।

तालेड़ा में कांग्रेस की बैठक, विधायक हरिमोहन शर्मा का नरेश मीणा पर तीखा तंज



दैनिक सम्राट संवाददाता

बूंदी/इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। बूंदी जिले के तालेड़ा स्थित शगुन मैरिज गार्डन में पंचायती राज चुनाव के तीसरे चरण की तैयारियों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। जिला परिषद की 9 सीटों और पंचायत समिति चुनाव को लेकर हुई रायशुमारी, विधायक हरिमोहन शर्मा और पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा ने दावेदारों से की चर्चा। हरिमोहन शर्मा ने दावा किया कि बूंदी में कांग्रेस का जिला प्रमुख और सभी पंचायत समितियों में बनेंगे। कांग्रेस के प्रधान, कार्यकर्ताओं से पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का आह्वान किया। बैठक में बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा, पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा, जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों तथा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बैठक में उम्मीदवारों के आवेदनों और संगठन की तैयारियों पर चर्चा हुई, विधायक ने कार्यकर्ताओं से मतभेद भुलाकर एकजुट रहने की अपील की। वहीं बिना नाम लिए नरेश मीणा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ लोग कांग्रेस को नुकसान पहुंचाकर बीजेपी की बी टीम की तरह काम कर रहे हैं, बयान के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं।

रंगीलो राजस्थान गरबा रास महोत्सव एवं मेला हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

दैनिक सम्राट संवाददाता



जयपुर। इंदिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर स्थित रिद्धि-सिद्धि मैरिज गार्डन के विशाल प्रांगण में आयोजित रंगीलो राजस्थान गरबा रास महोत्सव एवं मेला-2026 अत्यंत हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ प्रारम्भ हुए इस भव्य आयोजन में क्षेत्रवासियों सहित स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल शुक्ला ने की। इस अवसर पर छोटूराम मीणा, पूर्व पार्षद, लोकेश कुमार सिंह 'साहिल', महेश कराड़िया, प्रदीप भाटिया एवं अशोक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। गोपाल सेवा भाव ट्रस्ट से डॉ. अशोक दुबे, पुनीत जैन, अमित मिश्रा, कृष्ण दत्त झालानी का भी सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी डा अशोक दुबे ने बताया कि इस तरह के आयोजन से समाज में सामाजिक, धार्मिक समरसता का वातावरण उत्पन्न होता है।

इस भव्य आयोजन की परिकल्पना एवं निर्देशन गीतकार एवं एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने किया। कराड़िया इवेंट्स के दीपक कराड़िया ने मुख्य आयोजन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाई, जबकि कपिल पचौरी के श्रेष्ठ संयोजन से कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं आकर्षक रूप में सम्पन्न हुआ।

आयोजन का विशेष आकर्षण गीतकार एवं एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा रचित गरबा गीत आओ मिलकर रास रचायें रहा। गीत को संगीतबद्ध कर कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया, जिसकी मधुर स्वर-लहरियों ने पूरे प्रांगण को गरबा के रंग में रंग दिया। उपस्थित जनसमूह ने गीत की मुक्तकंठ से सराहना की। इस प्रस्तुति ने आयोजन को विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान प्रदान की और पारंपरिक गरबा के प्रति लोगों के उत्साह को और बढ़ाया। गरबा में श्रेष्ठ नृत्य के पुरस्कार में वाशिग मशीन की विजेता रही। यह आयोजन प्रतिभागियों एवं दर्शकों के लिए यादगार बन गया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के बयान पर कांग्रेस का आक्रोश, पुतला फूंका



दैनिक सम्राट संवाददाता

कोटपूतली (अनिल शरण बंसल)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के कथित विवादित बयान के विरोध में रविवार को कोटपूतली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं अनुसूचित जाति विभाग की चेयरपर्सन ममता भूपेश के दिशा-निर्देशों पर आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेसजनों ने नारेबाजी करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का पुतला दहन किया और उनसे देश की जनता से माफी मांगने की मांग की।

ये रहे मौजूद: प्रदर्शन में नारेहड़ा ब्लॉक अध्यक्ष सतीश नीमोरिया, कोटपूतली शहर अध्यक्ष प्रकाश सैनी, राजस्थान युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव एवं भारतीय युवा कांग्रेस के नेशनल कोऑर्डिनेटर नरेंद्र प्रताप गुर्जर, विनोद पटेल, शीशराम डोई, रामोतार पंच, सुरेंद्र ठेकेदार, मायाराम कसाना, विकास डोई, चांद गुर्जर, राजवीर कसाना और पार्षद दारा सिंह सहित कांग्रेस के विभिन्न संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूजा-अर्चना के साथ रेखा वर्मा के प्रधान कार्यालय का शुभारंभ

सैकड़ों की संख्या में उमड़े कार्यकर्ता और ग्रामीण, खटवाड़ा ग्राम पंचायत में सरपंच चुनाव को लेकर बढ़ी हलचल

दैनिक सम्राट संवाददाता



खटवाड़ा/भांकरोटा (हंसराज लाखीवाल)। ग्राम पंचायत खटवाड़ा से सरपंच प्रत्याशी रेखा वर्मा ने अपने प्रधान कार्यालय का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं, युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में चुनावी माहौल देखने को मिला। कार्यालय उद्घाटन समारोह में पूर्व सरपंच सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर की गई। इसके पश्चात प्रधान कार्यालय का शुभारंभ हुआ। कार्यालय उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों में उत्साह नजर आया। बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति के चलते कार्यक्रम में खासा माहौल बना रहा। युवाओं और महिलाओं ने भी कार्यक्रम में भागीदारी निभाई।

इस दौरान पूर्व सरपंच सहित तमाम पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आपसी मेलजोल के साथ आयोजन में सहभागिता की। प्रधान कार्यालय के शुभारंभ को ग्राम पंचायत खटवाड़ा में सरपंच चुनाव से जुड़ी गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ग्राम पंचायत खटवाड़ा में सरपंच पद को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज होने के बीच रेखा वर्मा के प्रधान कार्यालय का उद्घाटन चर्चा का विषय रहा। कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने आयोजन को विशेष बना दिया। ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और कार्यकर्ताओं की भागीदारी के साथ कार्यालय का विधिवत शुभारंभ संपन्न हुआ।

शारदीय नवरात्र में देव थानकों पर पूजा-अर्चना का दौर जारी

कुलदेवी-देवताओं के दरबार में लगा रहे धोक

दैनिक सम्राट संवाददाता

इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। शारदीय नवरात्र के चलते क्षेत्र में इन दिनों धार्मिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। श्रद्धालु प्रतिदिन देवी-देवताओं के थानकों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं तथा धोक लगाकर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। वहीं, अपने कुल देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना का दौर भी जारी है। नवरात्र के अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु परंपरानुसार देवी-देवताओं के थानकों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इसके साथ ही परिवारों में कुलदेवी-देवताओं के प्रति आस्था प्रकट करते हुए धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। नवरात्र के चलते क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना हुआ है तथा श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव के साथ धार्मिक परंपराओं का निर्वहन कर रहे हैं।

फरहान ने तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड



नई दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक बड़ा टी20 रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फरहान ने अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली गई। पाकिस्तान ने ये सीरीज 2-1 से जीती। साहिबजादा फरहान के लिए कप्तानी के साथ ही बतौर बल्लेबाज भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज यादगार रही है। फरहान ने तीनों ही मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 238 रन बनाए और तीन टी20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पिछला रिकॉर्ड भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में 229 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो हैं। मुनरो ने 2023-24 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 223 रन बनाए थे।

डेनमार्क ओपन : क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं तन्वी शर्मा

ओडेंस/एजेंसी। भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने डेनमार्क ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने बीती देर रात खेले गए राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में जर्मनी की यवोन ली को 21-17, 21-19 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना पहली बार विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से होगा। तन्वी ने यवोन ली के खिलाफ केवल 39 मिनट में जीत दर्ज की। दूसरे गेम में कड़ी चुनौती मिलने के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखा और सीधे गेमों में मुकाबला अपने नाम किया। तन्वी ने पहले गेम की शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। यवोन ली लगातार पिछड़ने के बाद वापसी की कोशिश करती रहीं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में जर्मनी की खिलाड़ी ने अधिक चुनौती पेश की।

शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना का धमाकेदार प्रदर्शन, भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहली बार जीती टी 20 सीरीज



नई दिल्ली। शेफाली वर्मा और कप्तान स्मृति मंधाना के धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी20 मैच में हरा दिया है। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच पहली बार कोई टी20 सीरीज खेली जा रही है और इसे भारत ने पहली बार में ही अपने नाम कर लिया है। टीम इंडिया ने पहले मैच में चार विकेट से जीत हासिल की थी और अब दूसरा मुकाबला भी अपने नाम कर लिया। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा रहा। जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 102 रन ही बना सकी और टीम इंडिया ने मैच को नौ विकेट से अपने नाम कर लिया।

जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी फ्लॉप

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने धीमी शुरूआत की। सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु ने 11 गेंदें खेली लेकिन अपना खाता भी नहीं खोल सकी। बिलव्ड बीजा भी बड़ा स्कोर नहीं बना सकी और 13 गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हो गई। भारत के खिलाफ जिम्बाब्वे के बल्लेबाज संघर्ष करती हुई नजर आईं। भारतीय गेंदबाजों ने शुरूआत से ही दबाव बनाए रखा और मेहमान टीम को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। संघर्ष कर रही जिम्बाब्वे की पारी को चिपो मुगेरी-तिरिपानो और कप्तान जोसेफिन नकोमो ने सहारा दिया लेकिन वे भी बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। मुगेरी-तिरिपानो 34, जबकि नकोमो ने 27 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा जिम्बाब्वे की अन्य कोई बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को भी नहीं छू सकी।

भारतीय गेंदबाजों का कमाल

जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय गेंदबाजों ने कमाल कर दिखाया। निकी प्रसाद ने दो ओवर की गेंदबाजी में सात रन खर्चे और दो विकेट हासिल किए। उनके अलावा क्रांति गौड़, नंदिनी शर्मा, दीप्ति शर्मा और श्रीचरणी को भी एक-एक सफलता मिली।

भारत की शानदार शुरूआत

जिम्बाब्वे के खिलाफ 103 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने बेहतरीन शुरूआत की। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने भारत को चिर-परिचित अंदाज में ताबड़तोड़ शुरूआत दिलाई। पावरप्ले में ही टीम इंडिया ने 76 रन ठोक डाले। भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने पहले सधी हुई शुरूआत की और एक बार आंखें जमने के बाद उन्होंने भी बड़े शॉट्स खेलने शुरू कर दिए।

शेफाली वर्मा ने जड़ा अर्धशतक

शेफाली ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख बनाए रखा और अर्धशतक लगाया। उन्होंने 25 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेली, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल रहे। दूसरी तरफ मंधाना अर्धशतक नहीं बना सकी और वे 47 रन बनाकर नाबाद रहीं। टीम इंडिया ने 103 रनों के लक्ष्य को 8.5 ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इसी के साथ भारत ने सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

भारत दौरे के लिए इंग्लैंड ए महिला टीम का ऐलान, फाइलर-वोंग और कोलमैन को मिला मौका

लंदन/एजेंसी। नवंबर और दिसंबर में होने वाले भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की तीनों महिला ए टीमों में तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर, इस्सी वोंग और बाएं हाथ की स्पिनर टिली कॉर्टीन-कोलमैन को शामिल किया गया है। इंग्लैंड की टीम में शामिल ये तीनों खिलाड़ी इस साल अपने घर में हुए टी20 वर्ल्ड कप में उपविजेता रही टीम का हिस्सा थीं। भारत ए के खिलाफ होने वाली सात मैचों की सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम चुनी गई है। इस दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और एक चार दिवसीय मैच खेला जाएगा। खास बात यह है कि तीनों फॉर्मेट की टीमों में चुनी गई 11 खिलाड़ी पहले ही इंग्लैंड के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी



हैं। मैडी विलियर्स और जोडी ग्रेवकॉक, जिन्होंने इस साल इंग्लैंड के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला है, उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें तीनों फॉर्मेट की टीमों में जगह मिली है।

वर्ल्ड कप लीग 2 मुकाबलों में बेस डी लीडे होंगे कप्तान

एमस्टेलवीन/एजेंसी। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर बेस डी लीडे, आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 के अगले दौर में नीदरलैंड्स कमान संभालेंगे। यह घोषणा रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन (केएनसीबी) ने की। इस दौर में नीदरलैंड्स का मुकाबला ओमान और यूएई से होगा, जो इस महीने के आखिर में दुबई में खेले जाएंगे। 15 सदस्यीय टीम इस दौरे पर चार मुकाबले खेलेगी। यह नए हेड कोच एशले नोफके के मार्गदर्शन में टीम का पहला असाइनमेंट भी होगा।



बिजनस

रूसी कच्चे तेल का आयात सितंबर में घटकर 18 .2 लाख बैरल प्रतिदिन पर

नयी दिल्ली. एजेंसी। भारत सितंबर में रूसी कच्चे तेल का दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार बना रहा, लेकिन चीन की ओर से खरीद बढ़ने और आपूर्ति सीमित होने के कारण साल के मध्य के उच्चस्तर से इसका आयात घट गया। केप्लर के जहाजों की आवाजाही पर आधारित विश्लेषण में यह जानकारी दी गई है। केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने सितंबर में रूस से प्रतिदिन करीब 18.2 लाख बैरल कच्चा तेल आयात किया, जबकि चीन का आयात लगभग 14.9 लाख बैरल प्रतिदिन रहा। भारत का आयात जून में 26 लाख बैरल और जुलाई में 25.7 लाख बैरल प्रतिदिन था। इस तरह जुलाई के स्तर से सितंबर में इसमें करीब 29 प्रतिशत की गिरावट आई। अगस्त में भारत ने प्रतिदिन 20.2 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल आयात किया था। केप्लर के वरिष्ठ प्रबंधक (मॉडलिंग) सुमित रितोलिया ने कहा कि आयात में आई इस कमी को केवल अमेरिका की शुल्क संबंधी धमकियों के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

बैठकों में शामिल होने के लिए सीतारमण चार दिन की थाइलैंड यात्रा पर

नयी दिल्ली. एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा विश्व बैंक समूह की सालाना बैठकों के साथ-साथ जी20 और जी7 के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नर की बैठकों में शामिल होने के लिए बुधवार से थाइलैंड की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस यात्रा के दौरान सीतारमण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, विकास संबंधी प्राथमिकताओं और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े मुद्दों समेत प्रमुख वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय विषयों पर बहुपक्षीय बैठकों और चचाओं में हिस्सा लेंगी। सीतारमण का थाइलैंड के उप प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री एकनिति नितिथानप्रपास तथा स्विट्जरलैंड, जापान, लक्जमबर्ग और भूटान के वित्त मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने का भी कार्यक्रम है।

थोक महंगाई, कच्चे तेल के दाम बढ़ने से शेयर बाजार में गिरावट

मुंबई. एजेंसी। थोक महंगाई दर में वृद्धि और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले कारोबारी सत्र में उछाल के बाद निवेशकों के मुनाफावसूली करने से बाजार पर दबाव रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 251.89 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 72,781.89 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 73,195.26 अंक के उच्च स्तर तक गया और 72,578.75 अंक के निचले स्तर तक आया। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 99.25 अंक यानी 0.44 प्रतिशत टूटकर 22,622.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

थाइलैंड दौरे पर सीतारमण, आईएमएफ, विश्व बैंक की सालाना बैठकों में शामिल होंगी

नई दिल्ली. एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को थाइलैंड की चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रवाना हो गईं। वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा विश्व बैंक समूह की सालाना बैठकों के साथ-साथ जी-20 और जी-7 के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नर की बैठकों में शामिल होंगी। वित्त मंत्रालय के मुताबिक वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 14 से 18 अक्टूबर तक बैंकॉक, थाईलैंड की आधिकारिक दौरे पर हैं। इस यात्रा के दौरान सीतारमण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, विकास संबंधी प्राथमिकताओं और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े मुद्दों समेत प्रमुख वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय विषयों पर बहुपक्षीय बैठकों और चचाओं में भी हिस्सा लेंगी।

चीन का निर्यात सितंबर में 36.3 प्रतिशत बढ़ा

जनवरी-सितंबर में व्यापार अधिशेष 938 अरब डॉलर

हांगकांग. एजेंसी



चीन का निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 36.3 प्रतिशत बढ़ा। यूरोपीय संघ समेत उसके व्यापारिक साझेदारों की ओर से व्यापार संतुलित करने का दबाव बढ़ने के बीच निर्यात में यह तेजी आई है। चीन के सीमा शुल्क विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। निर्यात के ये आंकड़े अर्थशास्त्रियों की उम्मीदों से बेहतर रहे। अगस्त में निर्यात में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी जबकि सितंबर में इसकी रफ्तार और तेज हो गई। सेमीकंडक्टर और कारों जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पादों ने विदेशों में चीन की बढ़ती आपूर्ति को गति देने में मदद की है। सितंबर में चीन का आयात भी सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़ा। अगस्त में आयात में 28.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसके परिणामस्वरूप, सितंबर में चीन का व्यापार अधिशेष बढ़कर 133.5 अरब डॉलर हो गया, जो अगस्त में 119.1 अरब डॉलर था। वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) में चीन का व्यापार अधिशेष 938 अरब डॉलर तक पहुंच गया। ऐसा प्रतीत होता है कि यह पिछले साल के पूरे वर्ष के 1.2 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड को पार कर सकता है। मजबूत निर्यात ने इस साल चीन की कुल आर्थिक वृद्धि को गति देने में मदद की है। हालांकि, घरेलू खपत एवं निवेश सुस्त बने हुए हैं जिस पर कई वर्षों से जारी रियल एस्टेट क्षेत्र की मंदी का असर पड़ा है।

वैश्विक प्रौद्योगिकी बदलावों, अमीर देशों के कर्ज से भविष्य में बढ़ सकती है अनिश्चितता: वैष्णव



नई दिल्ली. एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि प्रौद्योगिकी में बदलाव, कृत्रिम मेधा (एआई) और वित्तीय जोखिमों के कारण आने वाले वर्षों में वैश्विक अनिश्चितता बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि भारत बाहरी झटकों से अपनी आर्थिक वृद्धि को प्रभावित होने से बचाने के लिए अपनी आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी क्षमता मजबूत कर रहा है। ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम 2026 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना एवं प्रसारण तथा रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि वैश्विक प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाएं कई देशों और भौगोलिक क्षेत्रों में फैली रहेंगी। हालांकि, कंपनियों तथा सरकारों को अपने साझेदारों का लगातार आकलन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी एक देश या कंपनी पर निर्भरता से संकटों का सामना करने की उनकी क्षमता प्रभावित न हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रौद्योगिकी का दायरा वैश्विक स्तर पर फैला रहेगा। वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं कई सीमाओं, देशों और भौगोलिक क्षेत्रों में फैली होंगी, जो इस उद्योग की प्रकृति को दर्शाती हैं। वैष्णव ने कहा, रणनीतिक निर्भरता के मामले में यह देखना होगा कि किन देशों पर भरोसा किया जा सकता है और किन जगहों पर उत्पादन, डिजाइन या किसी देश या कंपनी पर निर्भरता के कारण संकटों का सामना करने की हमारी क्षमता कमजोर नहीं होगी। इन फैसलों की बार-बार और लगातार समीक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए साझेदारों का लगातार आकलन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि साझेदारों तथा उत्पादकों की सोच एवं नजरिया एक जैसा हो। मंत्री ने आगाह किया कि तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में कर्ज के ऊंचे स्तर समेत वित्तीय जोखिमों के कारण आने वाले वर्षों में वैश्विक अनिश्चितता बढ़ सकती है।

उथल-पुथल पिछले कई दशकों के मुकाबले कहीं अधिक होगी

वैष्णव ने कहा, दुनिया जिस दिशा में आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए मेरा मानना है कि आने वाले समय में उथल-पुथल पिछले कई दशकों के मुकाबले कहीं अधिक होगी। यह अनिश्चितता प्रौद्योगिकी के साथ-साथ वित्तीय क्षेत्र में हो रहे बदलावों से भी आएगी। अमीर देशों में कर्ज का जो ऊंचा स्तर है, उसका असर आज, कल या शायद अगले तीन से पांच वर्षों में सामने आ सकता है। उन्होंने कहा कि ये सभी कारक आने वाले वर्षों को बेहद चुनौतीपूर्ण बना सकते हैं। वैष्णव ने कहा, सबसे बड़ी बात, जिसके लिए हम सभी को तैयार रहना होगा, वह अगले कुछ वर्षों में आने वाली अनिश्चितता है। मंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं में भरोसा अब लागत जितना ही महत्वपूर्ण होता जा रहा है। खासकर साइबर सुरक्षा जोखिम बढ़ने और सेमीकंडक्टर के कुछ क्षेत्रों में उत्पादन के अधिक केंद्रित होने के कारण ऐसा हो रहा है। अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी सिस्को के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चक रॉबिन्स ने भारत के इस रुख का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत के पास महत्वपूर्ण क्षमताएं विकसित करने के लिए बड़ा बाजार, इंजीनियरिंग कौशल और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता है।

रेलवे स्टेशन पर नया प्रवेश द्वार शुरू

फुट ओवर ब्रिज से यात्रियों को मिलेगी राहत

रेलवे स्टेशन और बुलेट ट्रेन स्टेशन के विकास कार्यों का भी किया निरीक्षण

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के सरसपुर की ओर नवनिर्मित दूसरे प्रवेश द्वार और एकीकृत पैदल पार पुल का शुभारंभ किया। इसका उद्घाटन सांसद दिनेशभाई मकवाना और बापू नगर विधायक दिनेश सिंह कुशवाह ने मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश की उपस्थिति में किया। आगामी दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इसे महत्वपूर्ण सुविधा माना जा रहा है।



उद्घाटन के बाद सांसद और विधायक ने मंडल रेल प्रबंधक तथा संबंधित अधिकारियों के साथ अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल परियोजना के तहत बन रहे बुलेट ट्रेन स्टेशन के कार्यों का निरीक्षण किया। मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने बताया कि रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास रेल परिचालन और यात्री सेवाएं जारी रखते हुए चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। निर्माण के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

यात्रियों को मिलेगा आवागमन का अतिरिक्त मार्ग

नए प्रवेश द्वार और पैदल पार पुल के शुरू होने से सरसपुर तथा आसपास के क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को स्टेशन में प्रवेश करने और प्लेटफार्म तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त मार्ग मिलेगा। इससे स्टेशन के मौजूदा प्रवेश द्वारों पर दबाव कम करने और यात्रियों की आवाजाही को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम, रेल भूमि विकास प्राधिकरण और अहमदाबाद मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

विकास, सुशासन और जनसेवा के संकल्प के साथ गांव-गांव तक पहुंचें कार्यकर्ता: सीएम

दैनिक सम्राट संवाददाता



बांसवाड़ा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बांसवाड़ा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया और निकाय चुनावों में मिली प्रचंड जीत की ऊर्जा के साथ पंचायत चुनावों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब पंचायत चुनाव के जरिए ग्रामीण राजस्थान में सुशासन, विकास और अंत्योदय के संकल्प को और मजबूत करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क करने, आमजन की आकांक्षाओं को समझने तथा पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा केवल चुनाव के समय सक्रिय रहने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि यह वर्षभर जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुख में साथ निभाने वाले कार्यकर्ताओं का संगठन है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को समृद्ध और सशक्त बनाने के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार राजस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में भाजपा ने 204 निकायों में बोर्ड बनाकर ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। जयपुर सहित प्रदेश के 10 बड़े नगर निगमों में से 9 में भाजपा के महापौर बने हैं। वहीं, बांसवाड़ा के 3 में से 2 निकायों में भाजपा का बोर्ड बना है, जबकि डूंगरपुर के दोनों निकायों में भाजपा ने जीत दर्ज की है।

उन्होंने ग्राम विकास संकल्प पत्र-2026 का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार गांवों को सुविधा सम्पन्न और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आगामी 5 वर्षों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में औसतन 5 करोड़ रुपए के विकास कार्य कराने, 19 हजार किलोमीटर मिसिंग-लिंक सड़कों के निर्माण के लिए 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने तथा ग्रामीण परिवारों तक नियमित और शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य ग्रामीण विकास को नई दिशा देगा। युवाओं के लिए अटल ज्ञान केंद्र, किसानों के लिए ग्राम सेवा सहकारी समिति, इंटरनेट सुविधा, पात्र परिवारों को पक्के आवास, नए पट्टे एवं स्वामित्व कार्ड, सामुदायिक स्थलों पर सोलर लाइट, आपातकालीन सेवा युक्त स्वास्थ्य केंद्र, खेल मैदान, ओपन जिम और जिला मुख्यालयों तक नियमित बस सेवाओं की व्यवस्था का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम विकास संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत वार्षिक सहायता बढ़ाकर 12 हजार रुपये करने, समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद 2 हजार 700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने, राजस्थान एग्रीकल्चर एक्सीलेटर मिशन शुरू करने तथा 150 करोड़ रुपये का पेस्ट कंट्रोल फंड बनाने जैसे प्रावधान शामिल हैं। वहीं, सिंचाई के लिए दिन में थ्री-फेज बिजली आपूर्ति, 20 हजार नई डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना और पांच लाख अतिरिक्त पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में 25 लाख ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी श्रेणी में लाने, महिला स्वयं सहायता समूहों को एक हजार करोड़ रुपये की सहायता तथा 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बैंक क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराने और 25 हजार सोलर दीदियों का नया कैडर तैयार करने के लक्ष्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत सहायता राशि बढ़ाने, आंगनबाड़ी केंद्रों को मॉडल आंगनबाड़ी के रूप में विकसित करने तथा पात्र महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बांसवाड़ा जिले में पिछले पौने तीन वर्षों में 4 हजार 272 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। बांसवाड़ा सहित 11 शहरों में 275 करोड़ रुपये की लागत से नियमित पेयजल आपूर्ति से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। गढ़ी में 19.84 करोड़ रुपए के पेयजल कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। अजमेर-बांसवाड़ा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की डीपीआर तैयार करवाई जा रही है। बांसवाड़ा और डूंगरपुर को जोड़ने के लिए बिलोदा में माही नदी पर 60 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण की निविदा आमंत्रित की गई है। इसके अतिरिक्त सड़कों के निर्माण, रिंग रोड की डीपीआर और तलवाड़ा हवाई पट्टी के विकास के कार्य भी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर जिले में पिछले पौने तीन वर्षों में 4 हजार 46 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। वमासा एवं पादरडी एनिकटों के निर्माण, सोम-कमला-अम्बा बांध से फीडर नहर के माध्यम से जल लाने, चौरासी क्षेत्र में सड़कों के निर्माण तथा डूंगरपुर कॉलेज के भवन निर्माण जैसे कार्यों से क्षेत्र के विकास को गति मिल रही है।

कई जिलों में अकाल की स्थिति, सरकार को इसका अहसास नहीं

परिसीमन में बेईमानी, पुलिस की गुंडागर्दी, यह चिंताजनक: गहलोत

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- चुनाव हारना-जीतना चलता रहता है, उसकी हमें चिंता नहीं है। परिसीमन में जो बेईमानी हुई और उसके ऊपर पुलिस की जो गुंडागर्दी रही, वह चिंताजनक है। गहलोत ने कहा- पुलिस अधिकारी अब खुद कह रहे हैं कि हम पर भारी दबाव था। सीएमओ से रोज मॉनिटरिंग हो रही थी और मुख्यमंत्री ने खुद एसपी-कलेक्टर को बुला-बुलाकर निर्देश दिए थे।

गहलोत ने जयपुर में अपने सरकारी आवास पर मीडिया से रविवार को बात करते हुए यह सब कहा। गहलोत ने एक बार फिर निकाय चुनाव में पुलिस प्रशासन के दुरुपयोग और गुंडागर्दी का आरोप लगाते हुए यह कहा।

गहलोत ने कहा- अब पंचायत चुनाव आ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संभाग, जिला और विधानसभा स्तर पर कमेटियां बना दी हैं, पर्यवेक्षक लगा दिए हैं। हम पूरी मजबूती से ये चुनाव लड़ेंगे। हालांकि पंचायत में भी परिसीमन बेईमानी से किया गया है और बाड़ेबंदी की छूट दे दी गई है। ये लोग बाड़ेबंदी में उस्ताद हैं और कैश बांटने के लिए इनके पास बहुत पैसा है, लेकिन जनता इन्हें जरूर जवाब देगी। लोग सब देख और समझ रहे हैं।

वहीं गहलोत ने कहा- मैं हाल ही बीकानेर गया था, वहां अकाल की स्थिति बहुत गंभीर है। जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर जैसे क्षेत्रों में भी अकाल के हालात बेहद चिंताजनक बन चुके हैं। यदि मुख्यमंत्री स्तर पर मॉनिटरिंग कर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो पूरे प्रदेशवासियों को भारी तकलीफ का सामना करना पड़ेगा।

गलत बयानी कर रहे सीएम

अशोक गहलोत ने कहा- यह अपनी गुंडागर्दी को कितना ही छिपाने की कोशिश करें, उसका खंडन करें। वास्तव में इससे राजस्थान की बहुत बदनामी हुई है। मीडिया में इस पर डिस्कशन हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गलत बयानी कर रहे हैं। गहलोत ने कहा- परिसीमन में इन्होंने पूरे राजस्थान में बेईमानी की है। मैंने सुना है कि घनश्याम तिवाड़ी, राजेंद्र राठौड़ और अरुण चतुर्वेदी ने छह महीने तक ओटीएस में बैठकर यही काम किया और पूरा बर्बाद कर दिया। वार्डों की संख्या का मजाक बना दिया। कोई वार्ड 85 वोटर्स का है, कोई 250 का, तो कोई 5 हजार, 10 हजार और 20 हजार तक का है। आप इस तरह लोकतंत्र की हत्या क्यों कर रहे हैं? गहलोत बोले- ये अभी सत्ता में हैं। लोगों को इनसे काम पड़ता है, इसलिए वे चुप हैं। वक्त आते ही ऐसा झटका देंगे कि इस सरकार को पूरी गवर्नमेंट याद करेगी।



अकाल और सूखे का सरकार को अहसास तक नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस समय प्रदेश में अकाल राहत के दौरे पर हैं। जैसलमेर रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा- इस बार प्रदेश में जो भयंकर अकाल और सूखा पड़ा है। उसका अंदाजा अभी तक इस सरकार को नहीं है, जिसका मुझे बेहद दुख है। गहलोत ने कहा- आज पशुधन मरने लगा है। कल ही मेरी बात हुई, जैसलमेर में हजारों गायें मर चुकी हैं। चारे का कोई प्रबंधन नहीं है। चारा 20 रुपए किलो तक पहुंच गया है। पूरे उत्तर भारत और विशेषकर राजस्थान में पानी का भारी संकट खड़ा हो गया है।

हमारे बांध खाली पड़े हैं। सरकार के पास सारे आंकड़े मौजूद हैं। उन्हें सब मालूम है कि किस बांध में कितना पानी है। जब पानी ही नहीं है तो सिंचाई और पीने के पानी की बहुत बड़ी समस्या आने वाली है। मैं बार-बार यह इसलिए बोल रहा हूं, ताकि सरकार इसे गंभीरता से ले। केवल लंबी-चौड़ी बातें और भाषण देने से काम नहीं चलेगा। जल्द से जल्द गिरदावरी पूरी करवाकर अकाल राहत कार्य शुरू किए जाए।

ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मारी, तीन की मौत, एक घायल

खोड़ा माता जी के दर्शन करने जा रहे थे

दैनिक सम्राट संवाददाता

अजमेर। अजमेर जिले के किशनगढ़ में नेशनल हाईवे-48 पर ट्रेलर ने बाइक सवार पति-पत्नी, बेटे और भतीजे को कुचल दिया। मां-बेटे और भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल पति को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। चारों खोड़ा माता जी के दर्शन करने जा रहे थे। हादसे में एक बच्चे का सिर सड़क पर चिपक गया था। महिला का आधा शरीर कुचल गया था।

आसपास के लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची। तीनों शवों को लोडिंग टेम्पो से किशनगढ़ के वाईएन हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भिजवाया। घायल को इलाज के लिए अजमेर रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान सरवाड़ी गेट निवासी ममता (27) पत्नी भोलू राम, बेटे कालू (7) और भतीजे रोहित (9) पुत्र प्रकाश के रूप में हुई है। हादसे में भोलू राम गंभीर रूप से घायल है।

हादसा किशनगढ़ थाना क्षेत्र में हाईवे पर स्थित होटल एकता के सामने रविवार शाम करीब 4 बजे हुआ। मौके पर पहुंचे लोगों ने ट्रेलर ड्राइवर को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

किशनगढ़ थानाधिकारी नरपत राम बाना ने बताया- भोलूराम नायक अपनी पत्नी ममता, बेटे कालू और भतीजे रोहित (9) पुत्र प्रकाश के साथ खोड़ा माता जी के दर्शन करने जा रहा था। इस दौरान हिमाचल से मुंबई जा रहे ट्रेलर ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मारी और कुचलता हुआ आगे निकल गया। तेज आवाज सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। ट्रेलर ड्राइवर को पकड़ लिया। बाइक पर सवार दो बच्चों और महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक बच्चे का सिर पूरी तरह से कुचल गया था, जबकि महिला के कमर से नीचे का हिस्सा बुरी तरह से कुचला हुआ था। आस-पास मौजूद लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले ही ग्रामीणों शवों को लोडिंग टेम्पो में रखवाकर रवाना कर दिया था और क्षत-विक्षत शव लोगों को ना दिखे इसलिए कट्टे से ढक दिया गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रेलर ड्राइवर रोहित को हिरासत में ले लिया। घायल भोलूराम को वाईएन हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से अजमेर रेफर कर दिया गया। वहीं, घटनास्थल से क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हटवाकर ट्रैफिक सुचारू करवाया।

गाड़ी में डेढ़ करोड़ की स्मैक मिली; 6 तस्कर पकड़े

दैनिक सम्राट संवाददाता

दौसा। दौसा पुलिस ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर स्कॉर्पियो गाड़ी से डेढ़ करोड़ रुपए कीमत की स्मैक (ड्रग्स) पकड़ी है। तस्कर कोटा से स्मैक लेकर दौसा में सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस ने 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है, जबकि 3 तस्कर फरार हो गए।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि ड्रग्स की डीलिंग मास्टरमाइंड की पत्नी शिवानी करती थी और मास्टरमाइंड अहसान अपने साथियों के साथ माल की सप्लाई करता था। पुलिस गिरफ्तार तस्करों से पूरे नेटवर्क के बारे जानकारी जुटा रही है। सदर थानाधिकारी युधिष्ठिर ने बताया- जयपुर रेंज साइबर सेल को सूचना मिली थी कि कोटा के कुछ तस्कर दौसा जिले के सिकंदरा क्षेत्र के 3 लोगों को स्मैक की खेप देने के लिए भांडारेज पुलिया के पास पहुंचने वाले हैं। इसके बाद जयपुर रेंज साइबर सेल, दौसा डीएसटी और सदर थाना पुलिस ने शनिवार रात को नाकाबंदी कर गाड़ियों की तलाशी ली। इस दौरान एक ब्लैक स्कॉर्पियो से 293.5 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने गाड़ी में बैठे 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और स्कॉर्पियो जब्त की गई।

अग्निवीर बेटे की पार्थिव देह से लिपटकर बिलख पड़ीं मां, चार महीने पहले भर्ती हुए थे सेना में

दैनिक सम्राट संवाददाता



चूरू। चूरू जिले के ट्रेनी अग्निवीर महेश कुमार मुहाल (21) का ओडिशा के ब्रह्मपुर स्थित आर्मी अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार को निधन हो गया था। उनकी पार्थिव देह रविवार को उनके गांव पीथीसर लाई गई। बेटे का शव से लिपटकर मां बिलख पड़ीं। पिता लालचंद ने कहा- मैंने अपने बेटे को देश के नाम कर दिया है, मुझे गर्व है। पूरा गांव अग्निवीर के अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। सेना के अधिकारियों ने महेश के पिता को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा। अग्निवीर महेश का उनके गांव में अंतिम संस्कार किया गया। बीकानेर से आए सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। छोटे भाई निर्मल ने महेश को मुखाग्नि दी। चूरू से अग्निवीर के गांव पीथीसर तक 22 किमी लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई। महेश कुमार मुहाल 4 महीने पहले भारतीय सेना की आर्टिलरी एयर डिफेंस में भर्ती हुए थे। ओडिशा के गोपालपुर में ट्रेनिंग ले रहे थे।

22 किलोमीटर तक तिरंगा यात्रा निकाली गई

अग्निवीर महेश की पार्थिव शरीर सेना की गाड़ी से रविवार सुबह 9:30 बजे दिल्ली से चूरू लाई गई। यहां से गांव पीथीसर तक 22 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में सैकड़ों युवा और ग्रामीण सेना की गाड़ी के आगे और पीछे महेश अमर रहे के नारे लगाते हुए चल रहे थे। रास्ते में ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा की। गांव घंटेल से युवा करीब 100 मीटर लंबा तिरंगा लेकर महेश के घर तक पहुंचे। इस दौरान 'महेश कुमार अमर रहे' के जयकारे गूंजते रहे। युवाओं ने तिरंगे के साथ अपने गांव के वीर सपूत को श्रद्धांजलि दी। नायब सूबेदार विजयपाल सैनी, नायब सूबेदार बजरंग सिंह और टू राज राइफल सेंटर, बीकानेर से आए जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सेना के अधिकारियों ने महेश के पिता लालचंद को तिरंगा सौंपा।

ट्रेनिंग के दौरान बिगड़ी थी तबीयत

ओडिशा के गोपालपुर में ट्रेनिंग के दौरान महेश को बुखार के बाद बेहोशी की हालत में ब्रह्मपुर स्थित आर्मी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। पिता लालचंद के अनुसार, डॉक्टरों ने जांच में डेंगू की पुष्टि नहीं की, लेकिन लक्षण डेंगू जैसे बताए थे। बेटे की तबीयत खराब होने की सूचना पर पिता ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हुए, लेकिन सादुलपुर पहुंचने पर उन्हें महेश के निधन की सूचना मिल गई। शनिवार को पार्थिव देह दिल्ली पहुंची थी।

सरकार किसानों-पशुपालकों के हितों के लिए प्रतिबद्ध: जवाहर सिंह बेढम

कांग्रेस के शासनकाल में राहत कार्यों के नाम पर हुए घपले: जोगाराम पटेल

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पशुधन संरक्षण, चारे की उपलब्धता और जल आपूर्ति व्यवस्था को लेकर ठोस कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ रही है। ऐसे में सरकार की तैयारियों की जानकारी लिए बिना आरोप लगाना और केवल बयानबाजी करना राजनीतिक स्टंट जैसा है।

विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में राहत कार्यों के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार और घपले हुए, जिसका खामियाजा आम जनता और किसानों को भुगतना पड़ा। आज जब वर्तमान सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ हर चुनौती का डटकर मुकाबला कर रही है, तो कांग्रेस नेताओं से यह प्रगति पच नहीं रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जिला कलेक्टरों को स्थानीय परिस्थितियों का आकलन कर समयबद्ध प्रस्ताव तैयार करने और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

गृह एवं पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज भले ही भाषणों में बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हों। उनके कार्यकाल में योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रहती थीं और धरातल पर आमजन पानी व चारे के लिए त्रस्त रहते थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली हमारी डबल इंजन सरकार किसानों, पशुपालकों और प्रदेश के हर नागरिक के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।



स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक उमेश कुमार शर्मा के लिए मुद्रक ताराचंद कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 17, मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़, जयपुर से मुद्रित व 103, लक्ष्मीनगर, मंगोड़ी वालों की बगीची, ब्रह्मपुरी जयपुर, राज. से प्रकाशित।
सम्पादक: उमेश कुमार शर्मा **कार्यालय:** दैनिक सम्राट, आनंद सिटी गेट, तिलक हॉस्पिटल के पास, आगरा रोड, जयपुर। **मो.- 9950776350** (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा) आर.एन.आई नं.- RJHIN/25/A1928